देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 18 अंक: 206 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
सभी पक्षों को
आत्मचिंतन की जरूरत

पेज थ्री

देहरादून, गुरूवार, 23 नवंबर 2023

मौसम अधिकतम 22.0° न्यूनतम 13.0° | 66023.69 | 2 यूक्रेन को मिल रही फंडिंग पर उठे सवाल | 7 केकेआर में वापसी करते ही दहाड़े गंभीर

सिर्फ एक परिवार की गुलाम कांग्रेस: पीएम

भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियां जमकर कर रही चुनावी रैली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सागवाड़ा। राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को मतदान होने है और आज शाम 5 बजे तक चुनाव प्रचार थम जाएगा। इसी को देखते हुए भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियां जमकर चुनावी रैली कर रही है।

बीजेपी की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत गृहमंत्री अमित शाह, बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ समेत भाजपा के कई नेता राज्य में पूरे जोर-शोर से चुनावी रैलियां कर रही है। वहीं, कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी उदयपुर में जनसभाओं को संबोधित कर रहे है। वह यहां जिले की वल्लभनगर विधानसभा सीट के लिए पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में चुनाव प्रचार करेंगे।

बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी राजस्थान के सागवाड़ा में विशाल जनसभा को संबोधित किया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा, ये वो मिट्टी है जिसने ऐसे वीर पैदा किए हैं, जिन वीरों ने महाराणा प्रताप की कीर्ति बढ़ाने में अपने खून-पसीने का योगदान दिया था। मैं कालीबाई के बलिदान को, मानगढ़ धाम में बलिदान देने वाले गोविंद गुरू की अनुयायियों को भी श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। उन्होंने दावा किया कि जिस धरती को सटीक भविष्यवाणी के लिए मावजी महाराज का आशीर्वाद मिला है। वहां ये साफ-साफ दिख रहा है- भाजपा आ रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं मावजी महाराज जी का आशीर्वाद लेते हुए एक भविष्यवाणी करने की हिम्मत कर रहा हूं। इस पवित्र धरती की ताकत है कि मेरे मन में ये विचार आया है और मैं मावजी महाराज से क्षमा मांगकर ये हिम्मत कर रहा हूं। अब राजस्थान में कभी भी अशोक गहलोत की सरकार नहीं बनेगी।

गहलोत सरकार पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान के कोने-कोने से एक ही आवाज आ रही है- गहलोत जी, कोनी मिले वोट जी। पीएम मोदी ने नारे लगाते हुए कहा कि कांग्रेस को साफ करो और अत्याचार, भ्रष्टाचार से मुक्त करो। कांग्रेस सरकार की विदाई इसलिए भी जरूरी है ताकि यहां केन्द्र की हर योजना तेजी से लागू हो। आपके सपने मेरे संकल्प हैं, मैं उसे पूरा करना चाहता हूं, इसलिए सारी रूकावटें दूर कीजिए।

लाल डायरी का भी किया जिक्र

राजस्थान में सरकारी भर्ती में हो रहे घोटाले को लेकर पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने राजस्थान में हर सरकारी भर्ती में घोटाला किया है। कांग्रेस के नेताओं और उनके करीबियों के बीच ऐसा कारोबार है कि उनके बच्चे तो अफसर बन गए और आपके बच्चे चुन-चुन करके बाहर कर दिए गए। इसलिए ऐसे लोगों को राजस्थान की धरती से चुन-चुनकर साफ करना है। काले कारनामों की लाल डायरी के जो पन्ने खुल रहे हैं, उसमें कांग्रेस सरकार की काली सच्चाई है। लोकतंत्र ने आपको कुशासन वाली इस कांग्रेस सरकार को बदलने का मौका दिया है। इस मौके को जाने नहीं देना है।

मोदी सरकार ने अदाणी को दिया पैसा: राहुल गांधी

जयपुर। राजस्थान में होने वाले विधानसभा चुनाव के मतदान के लिए कांग्रेस नेताओं ने अपना प्रचार अभियान तेज कर दिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को राजस्थान में कुछ जनसभाओं को संबोधित किया। धौलपुर और भरतपुर में जनसभा के दौरान राहुल ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने कहा, श्पहले हिंदुस्तान की सरकार देश के युवाओं से कहती थी, अगर आपने देश की रक्षा की तो हम सारा जीवन आपकी और आपके परिवार की रक्षा करेंगे, लेकिन अब मोदी जी अग्निवीर लेकर आए हैं, जिसमें युवाओं को सिर्फ चार साल के लिए नौकरी दी जाएगी। ऐसा इसलिए है, क्योंकि पीएम मोदी ने सेना की रक्षा में इस्तेमाल होने वाला सारा पैसा अदाणी को दे दिया है।

संक्षिप्त समाचार

सेना के दो अधिकारी और एक जवान बलिदान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में बुधवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में सेना के तीन जवान बलिदानी हो गए। बताया जा रहा है कि यह संख्या आगे बढ़ भी सकती है। वहीं इस मुठभेड़ में बलिदानियों में कैप्टर एमवी प्रांजल, कैप्टन शुभम और हवलदार माजिद शामिल हैं। वहीं इनके अलावा मेजर मेहरा घायल हुए हैं।

आईसीसी रैंकिंग में तीसरे नंबर पर पहुंचे विराट कोहली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। आईसीसी वनडे रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाज एक बार फिर से नंबर वन बनने के करीब पहुंच गए हैं। कोहली ने वनडे रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है। वे अब दुनिया के तीसरे नंबर के बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे आगे पाकिस्तान के बल्लेबाज बाबर आजम और भारतीय ओपनर शुभमन गिल हैं।

गलत हैं तो 1000 करोड़ फाइन लगाओ और हमें फांसी दो

सुप्रीम कोर्ट की नसीहत पर बाबा रामदेव का जवाब

संवाददाता

हरिद्वार। एलोपैथी पर निशाना साधने और अपनी दवाओं के बारे में गलत दावे करने के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि को नसीहत दी थी। यही नहीं अदालत ने कहा था कि यदि रोगों को ठीक करने का आपके प्रोडक्ट्स का दावा गलत पाया गया तो 100 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की अर्जी पर अदालत ने यह तीखी टिप्पणी की थी। अब इस पर बाबा रामदेव का जवाब आया है। उन्होंने बुधवार को हरिद्वार में कहा कि यदि हम गलत पाए जाते हैं तो हमारे ऊपर 100 नहीं बल्कि 1000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया जाए। यहां तक कि हमें फांसी की भी सजा दी जाए।

हमारे खिलाफ कैसा जुर्माना?

पतंजलि के मुखिया ने कहा कि यदि हम झूठ नहीं बोल रहे हैं तो फिर हमारे खिलाफ कैसा जुर्माना? बाबा रामदेव ने कहा कि बीते 5 सालों से खतरनाक प्रोपेगेंडा चल रहा है। उन्होंने कहा कि योग, आयुर्वेद और नेचुरोपैथी को झुठलाने के लिए यह प्रचार चल रहा है कि आयुर्वेद में किसी भी चीज का इलाज नहीं है। दरअसल बाबा रामदेव के खिलाफ इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने अर्जी दाखिल की थी।

बाबा रामदेव ने कहा, कल से मीडिया के हजारों साइट्स में एक खबर को वायरल किया जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को फटकार लगाई कि झूठा प्रोपेगेंडा करोगे तो करोड़ों लोगों का जुर्माना लगेगा। हम सुप्रीम कोर्ट, देश के संविधान का आदर करते हैं। लेकिन झूठा प्रोपेगेंडा हम नहीं कर रहे। डॉक्टरों के एक ऐसे गिरोह ने ऐसी संस्था बना रखी है कि वे प्रचार करते हैं। वे हमारी संस्कृति और सनातन मूल्यों के खिलाफ भी बोलते हैं। उनका झूठा प्रचार है कि बीपी, शुगर, थायराइड और लीवर जैसी बीमारियों का कोई इलाज नहीं है। लेकिन हमारे पास हजारों मरीज आते हैं। हमारे पास उन पर ही जो किया गया है, उसके ही सबूत है। हम तो एक सप्ताह के अंदर 12 से 15 किलो तक का वजन कम कर देते हैं।

ई-वीजा सेवा पर कनाडा को बड़ी राहत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत ने बुधवार को कनाडाई नागरिकों के लिए ई-वीजा सेवाएं फिर से शुरू कर दीं। लगभग दो महीने के विराम के बाद भारत सरकार ने कनाडाई नागरिकों के लिए इलेक्ट्रॉनिक वीजा सेवाएं फिर से शुरू कर दी हैं। इससे पहले सितंबर में भारत और कनाडा के बीच बढ़े तनाव और दोनों देशों से राजनयिक निष्कासन के मद्देनजर श्परिचालन कारणोंश का हवाला देते हुए भारत ने कनाडा में अपनी वीजा सेवा निलंबित कर दी थी।

बता दें कि कनाडा के इन दावों पर चल रहे राजनयिक विवाद के बीच 21 सितंबर को वीजा सेवाएं निलंबित कर दी गई थीं, कि जून में कनाडा के नागरिक खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंट शामिल थे। भारत ने ऐसे वक्त में ई-वीजा फिर से शुरुआत करने की घोषणा की है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो जी-20 की वर्चुअल मीटिंग में आमने-सामने होने वाले हैं। इस मीटिंग से पहले भारत की तरफ से की गई कार्रवाई को दोनों देशों के बीच आपसी रिश्तों को फिर से पटरी पर लाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम के तौर पर देखा जा रहा है।

फैसला

- पीएम मोदी और ट्रूडो के बीच बैठक से पहले लिया बड़ा फैसला

ट्रूडो-पीएम मोदी की वर्चुअल मीटिंग

भारत ने ऐसे वक्त में ई-वीजा फिर से शुरुआत करने की घोषणा की है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो जी-20 की वर्चुअल मीटिंग में आमने-सामने होने वाले हैं। इस मीटिंग से पहले भारत की तरफ से की गई कार्रवाई को दोनों देशों के बीच आपसी रिश्तों को फिर से पटरी पर लाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम के तौर पर देखा जा रहा है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

हमारी लोक संस्कृति एवं परम्परा देवभूमि की पहचान

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को इगास पर्व ध्बूढ़ी दीपावली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे लोक पर्व एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत सामाजिक जीवन में जीवंतता प्रदान करने का कार्य करते हैं, उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य की लोक संस्कृति एवं लोक परम्परा उस राज्य की आत्मा होती है, इसमें इगास का पर्व भी शामिल है। उन्होंने कहा कि हम राज्य की लोक संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संकल्पबद्ध हैं। अपनी लोक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये हम प्रयासरत हैं। हमारी युवा पीढ़ी अपनी लोक संस्कृति एवं लोक पर्वों से जुड़े इसके भी प्रयास होने चाहिए। उन्होंने कहा कि इगास बग्वाल से कई एतिहासिक पहलु भी जुड़े हैं। राज्य में इगास पर्व पर सार्वजनिक अवकाश की परम्परा शुरू की गई है।

सीएम ने इगास पर्व और बूढ़ी दीपावली की शुभकामनाएं दी

परम्परा उस राज्य की आत्मा होती है।

सीएम ने कहा कि हमारी लोक संस्कृति एवं परम्परा देवभूमि की पहचान है। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य की लोक संस्कृति एवं लोक परम्परा उस राज्य की आत्मा होती है, इसमें इगास का पर्व भी शामिल है। उन्होंने कहा कि हम

न्यूज डायरी

सर्वे में हुआ खुलासा, यूक्रेन को मिल रही फंडिंग पर उठे सवाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच कीव को मिल रही संघीय सहायता पर सवाल खड़े हो रहे है। अमेरिका की लगभग आधी जनता को लगता है कि देश यूक्रेन की सहायता पर बहुत अधिक खर्च कर रहा है। दरअसल, एसोसिएटेड प्रेस–एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स ने इस पर एक रिसर्च की थी, जिसके तहत यह तर्क सामने आया है। बता दें कि रिपब्लिकन लगातार यूक्रेन सहायता की एक नई किश्त को मंजूरी देने के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रयासों का विरोध करते आ रहे है। हालांकि, एपी–एनओआरसी सर्वेक्षण की तुलना में इसका विरोध थोड़ा कम हो गया है। सर्वे के मुताबिक, 45 प्रतिशत का कहना है कि अमेरिकी सरकार रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को सहायता पर बहुत अधिक खर्च कर रही है, जबकि अक्टूबर में यह आंकड़ा 52 प्रतिशत था। यह बदलाव अधिकतर रिपब्लिकन की ओर से आया है। 59 प्रतिशत अब कहते हैं कि यूक्रेन सहायता पर बहुत अधिक खर्च किया गया है। बता दें कि अक्टूबर में इसका आंकड़ा 69 प्रतिशत से कम था। एक तिहाई से अधिक (38 प्रतिशत) अमेरिकी वयस्कों का कहना है कि वर्तमान खर्च श्लगभग सही राशिश है, जो पिछले महीने (31 प्रतिशत) से थोड़ा अधिक था। रिपब्लिकन के बीच, लगभग 10 में से 3 (29 प्रतिशत) का कहना है कि वर्तमान खर्च लगभग सही है, जो पिछले महीने 20 प्रतिशत से अधिक है।

चीन में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर से बूस्ट होगी इकोनॉमी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि चीन ने अर्थव्यवस्था के डिजिटल परिवर्तन को गति देने के अपने प्रयासों के तहत अक्टूबर के अंत तक लगभग 3.22 मिलियन 5जी बेस स्टेशन बनाए, जो उसके सभी मोबाइल बेस स्टेशनों का 28.1 प्रतिशत है। उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कहा कि चीन अपनी वास्तविक अर्थव्यवस्था में डिजिटल और बुद्धिमान परिवर्तन को बढ़ावा देने के प्रयास में अपने 5जी नेटवर्क के निर्माण में लगातार प्रगति कर रहा है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने कहा कि चीन की तीन सरकारी दूरसंचार कंपनियों – चाइना मोबाइल, चाइना टेलीकॉम और चाइना यूनिकॉम – के पास अक्टूबर के अंत तक कुल मिलाकर 754 मिलियन 5जी मोबाइल फोन उपयोगकर्ता थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि मंत्रालय के आंकड़ों में कहा गया है कि पहले दस महीनों में दूरसंचार उद्योग ने इस क्षेत्र की कंपनियों का संयुक्त व्यवसाय राजस्व लगभग 1.4 ट्रिलियन युआन (लगभग 197.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर) साल दर साल 6.9 प्रतिशत अधिक था। 5ळ के विकास को चीन के सभी क्षेत्रों के डिजिटल परिवर्तन की कुंजी के रूप में देखा गया।

इस्लाम विरोधी टिप्पणी को लेकर ओबामा के पूर्व सलाहकार के खिलाफ कार्रवाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के पूर्व प्रशासनिक सलाहकार स्टुअर्ट सेल्डोविट्ज को इस्लाम विरोधी टिप्पणी करने पर नौकरी से निकाल दिया गया है। द हिल की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि बराक ओबामा के पूर्व प्रशासनिक सलाहकार स्टुअर्ट सेल्डोविट्ज का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस वीडियो में वह न्यूयॉर्क में हलाल सामान बेचने वाले दुकानदार पर अभद्र टिप्पणी करते हुए दिखाई दिए। रिपोर्ट के अनुसार, स्टुअर्ट सेल्डोविट्ज ने एक दुकानदार को गाली देते हुए आतंकवादी कहा। यहीं नहीं उन्होंने इजरायल–हमास युद्ध को लेकर अन्य टिप्पणियां भी की। उन्होंने कहा था कि चार हजार फलस्तीनी बच्चों का मरना पर्याप्त नहीं है। हालांकि, उनके इस बयान को दुकानदार ने कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया। जिसके बाद बराक ओबामा के पूर्व प्रशासनिक सलाहकार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस वीडियो के वायरल होने के बाद वॉशिंगटन डीसी में स्थित लॉबिंग फर्म गोथम गवर्नमेंट रिलेशंस ने स्टुअर्ट सेल्डोविट्ज के खिलाफ कार्रवाई की। उन्होंने स्टुअर्ट सेल्डोविट्ज को नौकरी से निकाल दिया है। फर्म ने स्टुअर्ट सेल्डोविट्ज के बयान की निंदा की।

इजरायल 50 के बदले रिहा करेगा 150 फलस्तीनी बंदी

जारी की कुल 300 लोगों के नाम की लिस्ट

समझौता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

यरूशलम। 47 दिन के इजरायल और हमास युद्ध के बीच बुधवार को इजरायल की कैबिनेट ने 4 दिन के युद्धविराम पर सहमति व्यक्त की है। इस समझौते के अनुसार, हमास 50 इजरायली बंधकों को रिहा करेगा, जिसमें महिलाएं और बच्चों की संख्या सबसे अधिक है। इसके बदले में इजरायल इसका ट्रिपल यानी 150 फलीस्तीनी बंदियों को रिहा करेगा।

पीएमओ के एक बयान में कहा गया है कि गाजा में बंधक बनाई गई 50 महिलाओं और बच्चों को चार दिनों में रिहा कर दिया जाएगा, इस दौरान लड़ाई रुकी रहेगी। प्रत्येक अतिरिक्त 10 बंधकों की रिहाई के लिए, विराम को एक और दिन के लिए बढ़ाया जाएगा। स्थानीय मीडिया ने अनुमान लगाया कि पहला अदला–बदली गुरुवार सुबह ही हो सकता है।

इजरायल ने 300 फलिस्तीनियों की एक सूची जारी की है, जिन्हें इजरायल और हमास के बीच हुए समझौते के तहत रिहा किया जा सकता है। इजरायल के न्याय मंत्रालय की वेबसाइट पर पोस्ट की गई लिस्ट में नाम, उम्र और उनके अपराध शामिल हैं। शुरुआत में केवल 150 बंदियों को ही रिहा किए जाने की उम्मीद है। बता दें कि इस समझौते के पीछे मिस्र, अमेरिका और कतर का हाथ माना जा रहा है।

इस समझौते में इजरायली जेलों में बंद कई फलिस्तीनी महिलाओं और बच्चों की रिहाई के बदले गाजा पट्टी में वर्तमान में बंधक बनाए गए 50 नागरिक महिलाओं और बच्चों की रिहाई शामिल है। संघर्ष विराम बड़ी संख्या में मानवीय राहत सहायता के प्रवेश की अनुमति देगा, जिसमें मानवीय जरूरतों के लिए ईंधन भी शामिल है।

4 दिवसीय युद्धविराम के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, श्हम युद्ध में हैं और युद्ध तब तक जारी रहेगा जब तक हमारे सभी लक्ष्य हासिल नहीं हो जाते। उन्होंने कहा कि बंधकों की वापसी एक सर्वोच्च, पवित्र प्राथमिकता है और मैं इसके लिए प्रतिबद्ध हूं। हमारे सामने एक कठिन निर्णय है लेकिन सही है। उन्होंने तर्क दिया कि हम तब तक आराम नहीं करेंगे जब तक कि सभी वापस नहीं आ जाते। युद्ध के भी चरण होते हैं और बंधकों की वापसी के भी चरण होंगे। रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने अपने प्रधानमंत्री का समर्थन करते हुए कहा कि गाजा में इजरायल का जमीनी आक्रमण 7 अक्टूबर को इजरायल से लिए गए 240 बंधकों में से कुछ को रिहा करने के लिए हमास पर दबाव बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण कारक है।

7 अक्टूबर को हमास लड़ाकों के सीमा पार करने के बाद इजरायल ने गाजा में हमला करना शुरू कर दिया, जिसमें 1,200 लोग मारे गए और 200 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया। गाजा के हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि इजरायल के अभियान में 5,000 से अधिक बच्चों सहित 14,000 से अधिक लोग मारे गए हैं।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने खड़ा कर दिया नया विवाद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने फलस्तीन की समस्या को लेकर देश की पूर्व निर्धारित नीति से हटते हुए 'एक राष्ट्र समाधान' की पेशकश कर विवाद खड़ा कर दिया है और कार्यवाहक सरकार ने उनके बयान से दूरी बनाते हुए उनके इस्तीफे की मांग की है। राष्ट्रपति कार्यालय ने फलस्तीन के मुद्दे पर 'एक राष्ट्र समाधान' की वकालत करते हुए शुक्रवार को विवाद खड़ा कर दिया था। हालांकि, अल्वी के कार्यालय ने कुछ ही घंटों में बयान वापस ले लिया और नया बयान जारी किया।

राष्ट्रपति कार्यालय ने शुरू में बयान जारी कर बताया था कि अल्वी ने फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास के साथ टेलीफोन पर बातचीत में 'एक राष्ट्र के समाधान' का सुझाव दिया है। अल्वी की फलस्तीन के राष्ट्रपति से बातचीत का हवाला देते हुए विज्ञप्ति में कहा गया, 'अगर इजराइल को द्विराष्ट्र का समाधान स्वीकार्य नहीं है तो एक–राष्ट्र का समाधान ही एकमात्र रास्ता है जहां यहूदी, मुस्लिम और बड़ी संख्या में ईसाई एक साथ रहते हुए समान राजनीतिक अधिकारों का लाभ उठा सकते हैं। ज्यादातर समाचार चैनलों ने राष्ट्रपति का बयान चलाया। यही बयान एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान ने भी जारी किया।

अलास्का में भूस्खलन से कम से कम 3 लोगों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यूएस। दक्षिणपूर्व अलास्का में एक द्वीप समुदाय की सेवा करने वाले प्रमुख राजमार्ग पर भूस्खलन में कम से कम तीन लोग मारे गए हैं और तीन अन्य लापता बताए जा रहे हैं। इस घटना की जानकारी राज्य के अधिकारियों ने दी। अधिकारियों ने बताया कि रैंगल, अलास्का में जिमोविया राजमार्ग के एक तटीय हिस्से के साथ सोमवार की रात को एक खड़ी, भारी जंगली पहाड़ी ढलान बन गई, जो राज्य की राजधानी जूनो से 155 मील (250 किमी) दक्षिण में लगभग 2,000 निवासियों का मछली पकड़ने और लकड़ी काटने वाला शहर है। इस दौरान एक व्यक्ति घायल भी हो गया। हाल के दिनों में भारी बारिश और तेज हवाओं के साथ दक्षिणपूर्व अलास्का में आए तूफान के बाद पहाड़ी ढह गई।

अमेरिका में अवैध तरीके से रहने में भारतीय तीसरे नंबर पर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार लगभग 725,000 की संख्या में भारतीय मेक्सिको और अल साल्वाडोर के बाद अमेरिका में अवैध अप्रवासियों की तीसरी सबसे बड़ी आबादी हैं। शोध में कहा गया है कि 2021 तक, देश के 10.5 मिलियन अनधिकृत अप्रवासी कुल अमेरिकी आबादी का लगभग तीन प्रतिशत और विदेश में जन्मी आबादी का 22 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं। 2021 में देश के 39 प्रतिशत अनधिकृत आप्रवासियों की संख्या मेक्सिको से थी, जिनकी संख्या लगभग 4.1 मिलियन थी, उसके बाद अल साल्वाडोर, भारत और ग्वाटेमाला (700,000) थे। जबकि

7.25 लाख बिना वीजा के पहुंचे सात समंदर पार

2017 से 2021 तक मेक्सिको से संख्या में 900,000 की गिरावट आई, उसी समय अन्य देशों से अवैध अप्रवासियों की संख्या तेजी से बढ़ी। 2021 में, यह जनसंख्या 6.4 मिलियन थी, जो 2017 से 900,000 अधिक है। भारत, ब्राजील, कनाडा और पूर्व सोवियत संघ के सभी देशों ने 2017 से 2021 तक विकास का अनुभव किया। अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा के नए आंकड़ों के अनुसार, अभूतपूर्व संख्या में बिना दस्तावेज वाले भारतीय अप्रवासी पैदल ही अमेरिकी सीमा पार कर रहे हैं।

अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 तक, 96,917 भारतीयों को बिना कागजात के अमेरिका में प्रवेश करने के कारण पकड़ा गया। जब से कोविड के बाद सीमाएं खुलीं, अमेरिका में बिना दस्तावेज वाले भारतीयों की संख्या बढ़ गई, वित्तीय वर्ष 2021 में 30,662 और वित्तीय वर्ष 2022 में 63,927 का सामना करना पड़ा। इस वर्ष लगभग 97,000 मुठभेड़ों में से 30,010 कनाडाई सीमा पर और 41,770 दक्षिणी सीमा पर थीं।

प्यू शोध में यह भी पाया गया कि कुल मिलाकर, 2021 में लगभग 7.8 मिलियन अवैध अप्रवासी अमेरिकी श्रम बल में थे। अमेरिकी राज्यों में केवल फ्लोरिडा और वाशिंगटन में अनधिकृत अप्रवासी आबादी में वृद्धि देखी गई।

आर्मीनिया को हथियार देकर नए युद्ध को भड़का रहे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बाकू। भारत के बाद अब फ्रांस के आर्मीनिया को घातक हथियार देने पर अब अजरबैजान बौखला गया। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलियेव ने फ्रांस पर आरोप लगाया है कि वह आर्मीनिया को नए हथियार देकर दक्षिणी काकेकस इलाके में नए युद्ध की आधारशिला तैयार कर रहे हैं। अलियेव ने एक सम्मेलन में दिए अपने भाषण में सबसे ज्ध्यादा फ्रांस पर निशाना साधा। इससे पहले पिछले महीने फ्रांस ने आर्मीनिया को घातक हथियार देने पर अपनी सहमति जताई थी। इससे पहले भारत ने भी आर्मीनिया को पिनाका रॉकेट सिस्टम की सप्लाई की थी और अब घातक तोप खरीदने का भी दोनों देशों के बीच समझौता हुआ है। अजरबैजान को तुर्की और पाकिस्तान से हथियार मिलते हैं। अजरबैजानी राष्ट्रपति अलियेव ने कहा, श्फ्रांस ने न केवल भूतकाल में बल्कि वर्तमान समय में भी अपने उपनिवेशों के साथ हमारे क्षेत्र दक्षिणी काकेकस को भी अस्थिर किया है।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

द्वितीय केदार श्री मदमहेश्वर के कपाट शीतकाल के लिए हुए बंद

आस्था

सात सौ से अधिक तीर्थयात्री एवं स्थानीय श्रद्धालुजन कपाट बंद के समय रहे मौजूद

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। पंच केदारों में प्रसिद्ध द्वितीय केदार श्री मदमहेश्वर जी के कपाट शीतकाल हेतु बुधवार को कार्तिक मास शुक्ल पक्ष दशमी तिथि पूर्व भाद्रपदा नक्षत्र कुंभ राशि में प्रातः 8:30 बजे विधि–विधान से पूजा अर्चना के बाद बंद हो गए हैं। कपाट बंद होने के समय सात सौ से अधिक तीर्थयात्री एवं स्थानीय श्रद्धालु मौजूद रहे। इस अवसर पर मंदिर को दानीदाता के सहयोग से पांच क्विंटल फूलों से सजाया गया था।

श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने भगवान श्री मदमहेश्वर जी के कपाट बंद होने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्री मदमहेश्वर यात्रा को सुगम बनाने हेतु मंदिर समिति प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि द्वतीय केदार श्री मदमहेश्वर जी के कपाट बंद होने के साथ ही इस यात्रा वर्ष 2023 का समापन हो गया है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा, मार्गदर्शन तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व में चारधाम यात्रा में रिकॉर्ड श्रद्धालु पहुंचे हैं। श्री हेमकुंड साहिब सहित उत्तराखंड चारधाम में यात्रा वर्ष 2023 में 56 लाख तीर्थयात्री धामों में दर्शन को पहुंचे हैं जोकि पिछले वर्ष से 10 लाख अधिक हैं।

श्री केदारनाथ धाम में 19 लाख 61 हजार, श्री बदरीनाथ धाम 18 लाख 41 हजार श्रद्धालु पहुंचे। इसके साथ ही विषम भौगोलिक परिस्थिति के बावजूद 13 हजार श्रद्धालु श्री मदमहेश्वर मंदिर तथा पहली बार एक लाख छत्तीस हजार श्रद्धालु तृतीय केदार तुंगनाथ पहुंचे है।

मुख्य कार्याधिकारी योगेंद्र सिह ने बताया कि श्री मदमहेश्वर मंदिर के कपाट बंद होने तथा चलविग्रह डोली के प्रस्थान तैयारियों हेतु निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि कपाट बंद की तैयारियों के बीच आज प्रातः 4 बजे श्री मदमहेश्वर मंदिर खुला भगवान मदमहेश्वर जी की अभिषेक जलाभिषेक पूजा हुई। 7:30 बजे तक श्रद्धालु दर्शन करते रहे। उसके पश्चात् पुजारी बागेश लिंग ने कपाट बंद की प्रक्रिया शुरू की। भगवान शिव एवं भैरव नाथ, की पूजा–अर्चना संपन्न हुई। भगवान मदमहेश्वर के स्यंभू शिवलिंग को समाधि रूप देते हुए स्थानीय फूलों–शुष्क पुष्पों राख से ढ़क दिया। इसके बाद ममहेश्वर जी की चलविग्रह डोली के सभामंडप से बाहर आते ही 8:30 बजे श्री मदमहेश्वर मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए। भगवान मदमहेश्वर जी की चलविग्रह डोली ने भगवान मदमहेश्वर जी के मंदिर भंडार तथा पूजा तथा भोग के तांबे पीतल धातु निर्मित पुरातन बर्तनों का निरीक्षण किया। कपाट बंद होने के बाद मंदिर की परिक्रमा करते हुए श्री मदहेश्वर जी की चल विग्रह डोली प्रथम पड़ाव गौंडार के लिए प्रस्थान हुई। कार्याधिकारी आरसी तिवारी ने जानकारी दी है कि इस यात्रा वर्ष 12 हजार सात सौ 77 श्रद्धालु भगवान मदमहेश्वर के दर्शन को पहुंचे हैं।

न्यूज डायरी

कांग्रेस का रुख रेस्क्यू टीम का मनोबल तोड़ने वालाः विकास

संवाददाता हल्द्वानी। मुख्य संवाददाता भाजपा ने कांग्रेस पर रेस्क्यू में लगी टीम का मनोबल तोड़ने और प्रदेश के विकास को रफ्तार देने वाली परियोजनाओं पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया है। प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत ने कहा कि उत्तरकाशी सिलक्यारा सुरंग हादसे पर कांग्रेस के बर्ताव से यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेसी नेता वहां काम कर रहे अधिकारियों और श्रमिकों के मनोबल को गिरा रहे हैं। मीडिया को जारी बयान में विकास ने कहा है कि सुरंग हादसे के बाद विपक्षी नेताओं को देखकर लग रहा है कि वह क्षेत्र में किसी बड़ी दुर्घटना के इंतजार में हैं ताकि उन्हें प्रदेश सरकार की छवि खराब करने का मौका मिल सके। रेलवे टनल और अन्य परियोजना बनाने में जो खामियां कांग्रेस निकाल रही है वह मात्र ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेलवे परियोजना में तेजी से हो रही कार्य की बौखलाहट है।

धूमधाम से मनाया गया शिव कथा अमृत आयोजन में माता पार्वती जन्म उत्सव

संवाददाता देहरादून। देहरादून में दिव्य ज्योति जागृति संस्थान की ओर से किए जा रहे सात दिवसीय शिव कथा अमृत आयोजन में माता पार्वती जन्म उत्सव को बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। महाराज हिमवान व महारानी मैना ने आदिशक्ति जगदंबिका की आराधना कर उन्हें पुत्री स्वरूप में पाने का वरदान मांगा। माता सती जो पूर्व जन्म में देह त्याग से पहले के भगवान शिव से यह प्रार्थना करती हैं कि मैं अगले जन्म आपकी ही सेविका बनकर जन्म हूं। उसी प्रार्थना के फल स्वरुप माता सती पार्वती के रूप में महाराज हिमवान के घर कन्या के रूप में जन्म लेकर आई। भगवान महाराज ने पुत्री के जन्म की खुशी में असंख्य गायों का दान किया।

हीरो रियल्टी इस सर्दियों वत्सल्य वाटिका में खुशियां लेकर आया

संवाददाता हरिद्वार। हीरो एंटरप्राइज की रियल एस्टेट शाखा, हीरोरियल्टी प्राइवेट लिमिटेड ने श्री सुनील कांत मुंजाल के नेतृत्व में, जॉय ऑफ गिविंग वीक समारोह के दौरान हरिद्वार के बहादराबाद में वंचित बच्चों केलिए एक स्कूल, वात्सल्य वाटिका को कई फर्नीचर और सामान दान किए। हीरो रियल्टी का प्रतिज्ञान है कि वह समुदाय निर्माण का समर्थन करने वाले शैक्षिक पहलों का समर्थन करेगा, जैसा कि उसके संस्थापक और मान्यप्रमुख डॉ। बृजमोहन लाल मुंजाल ने निर्धारित किया है। वर्तमान में, हीरो ग्रुपडॉ. मुंजल की जयंती के सौ वर्षीय जन्मोत्सव का आयोजन कर रहा है। हमने सिर्फ उन बच्चों के लिए जो इसकी सचमुच जरूरत और हकदार हैं, उनके बेहतर भविष्य की दिशा में एक छोटा सा कदम उठाया है।

जनपद में आज से शुरू होगी विकसित भारत संकल्प यात्रा

संवाददाता रुद्रप्रयाग। जनपद में आज से ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' के सफल संचालन हेतु मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार ने जनपद स्तरीय अधिकारियों को दायित्व सौंपते हुए उनका निर्वहन कुशलता से करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने अवगत कराया कि जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को आयोजित कार्यक्रमों में प्रतिदिन अधिकारियों का पंजीकरण, प्रतिदिन सूचनाओं का संकलन, अपलोड करने व सूचनाओं का प्रेषण करने के निर्देश दिए हैं। इसी तरह समस्त विकास खंड अधिकारियों को उनसे संबंधित क्षेत्रों में कार्यक्रमों के सफल संचालन करने सहित स्थानीय नागरिको व जन प्रतिनिधियों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा परियोजना निदेशक, मुख्य कृषि अधिकारी, लीड बैंक अधिकारी, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी आदि को भारत सरकार के महत्वपूर्ण चिन्हित कार्यक्रमों के संतृप्तिकरण कार्य व प्रतिदिन कार्यक्रम स्थल व ग्राम पंचायतवार सूचनाओं का संकलन करते हुए संबंधित अधिकारी के माध्यम से सूचनाएं अपलोड करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने उपरोक्त अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आज से कार्यक्रम के समाप्ति तक सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन करते हुए मुख्यालय अथवा सौंपे गए दायित्वों के अनुसार कार्यक्रम स्थलों में उपस्थिति बनाए रखना सुनिश्चित करें।

प्राथमिक उपचार की तैयारियां भी तेज

संवाददाता उत्तरकाशी। बचाव अभियान को लेकर अगले करीब दस घंटे अहम हैं। टनल से जैसे–जैसे मजदूरों के बाहर आने की उम्मीद बढ़ रही है, वैसे ही उनके प्राथमिक उपचार की भी तैयारी तेज हो गई है। यहां अस्थायी अस्पताल बनाया गया है, जिसमें आठ बेड लगाए गए हैं। यहां से करीब चार किलोमीटर दूर हेलिपैड बना है, जहां से श्रमिकों को एयरलिफ्ट करके एम्स ले जाया जा सकता है। उत्तरकाशी जिला अस्पताल में भी 45 बेड अलग से रिजर्व कर दिए गए हैं। वहीं सीएम ने कहा कि ऑगर मशीन से सुरंग में ड्रिलिंग का काम जारी है। सीएम धामी ने ट्वीट कर कहा शसिलक्यारा टनल में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए युद्ध स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मैं स्थलीय निरीक्षण के लिए उत्तरकाशी पहुँच रहा हूं।

केदारनाथ धाम की यात्रा को सफलतापूर्वक कराने पर 61 लोग किए गए सम्मानित

संवाददाता रुद्रप्रयाग। श्री केदारनाथ धाम वर्ष–2023 की यात्रा को सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपादित कराने के लिए जनपद के 61 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जिलाधिकारी डॉ. सौरभ गहरवार ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वर्ष–2023 की यात्रा बेहतर सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का ही प्रतिफल है कि इस वर्ष यात्रा ने एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड दर्ज किया।

श्री केदारनाथ धाम वर्ष–2023 की यात्रा को सुगम, सुव्यस्थित एवं सफलतापूर्वक संपादित कराने के लिए विभिन्न विभागों के 61 अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा यात्रा व्यवस्था हेतु उत्कृष्ट कार्य करने के लिए विकास भवन

सभागार में कार्यक्रम आयोजित कर जिलाधिकारी डॉ. सौरभ गहरवार ने प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अपने कार्यों के साथ–साथ विषम कठिन परिस्थितियों में यात्रा व्यवस्थाओं का भी बेहतर ढंग से संपादन किया गया है तथा केदारनाथ धाम में दर्शन करने आए तीर्थ यात्रियों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। जिसका यह परिणाम रहा है कि इस वर्ष श्री केदारनाथ धाम में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है जहां लगभग 20 लाख श्रद्धालुओं ने बाबा केदारनाथ के दर्शन किए हैं। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों से यात्रा व्यवस्थाओं के अनुभव भी लिए गए तथा आगामी वर्ष की यात्रा और बेहतर ढंग से संपादित करने के लिए अधिकारियों के सुझाव भी लिए गए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अपर जिलाधिकारी बीर सिंह बुदियाल, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी योगेंद्र सिंह, जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार सहित 61 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

आगामी रविवार का जनपद के परीक्षा केंद्रों में धारा–144 रहेगी प्रभावी

संवाददाता रुद्रप्रयाग। आगामी रविवार को आयोजित होने वाली अधिशासी अधिकारी व कर एवं राजस्व निरीक्षक परीक्षा–2023 के अंतर्गत लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) परीक्षा हेतु जनपद के परीक्षा केंद्रों में धारा–144 प्रभावी रहेगी। उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग द्वारा उक्त बावत आदेश जारी किया गया है। उप जिलाधिकारी सदर आशीष घिल्डियाल ने बताया कि सब डिविजन रुद्रप्रयाग के अंतर्गत रविवार को अधिशासी अधिकारी व कर एवं राजस्व निरीक्षक के पद हेतु लिखित परीक्षा 05 केंद्रों में आयोजित की जानी है जिसमें 1225 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

एकल सत्र में प्रातः 9 बजे से पूर्वाह्न 11 बजे तक तथा द्वितीय सत्र अपराह्न 1 बजे से 4 बजे तक आयोजित होने वाली परीक्षा अवधि में धारा–144 प्रभावी रहेगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा के सफल संचालन हेतु परीक्षा केंद्रों के बाहर व भीतर सब डिविजन रुद्रप्रयाग के परीक्षा केंद्रों में धारा–144 को प्रभावी किया गया है।

सभी पक्षों को आत्मचिंतन की जरूरत

विधानसभा का बजट सत्र मॉनसून सत्र से जा मिला। राज्य सरकार कानूनी व्याख्याओं का सहारा भले लेती रहे, यह बात स्थापित परंपराओं के खिलाफ है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने बिल्कुल ठीक कहा कि आत्मचिंतन की जरूरत सभी पक्षों को है।

अनुज सनवाल।।

चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने पंजाब सरकार की ओर से दायर एक याचिका की सुनवाई करते हुए राज्यपालों की भूमिका पर जो कुछ कहा, वह सभी संबंधित पक्षों के लिए चेतावनी की तरह है। भले ही सुप्रीम कोर्ट ने अभी उन सबको आत्मावलोकन की सलाह भर दी हो, लेकिन यह स्थिति सचमुच चिंताजनक है कि राज्यपालों से सामान्य जिम्मेदारी का निर्वाह कराने के लिए भी राज्य सरकारों को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ता है। आखिर विधानसभा में पारित विधेयकों को मंजूरी देना राज्यपाल का संवैधानिक दायित्व है। उसकी प्रक्रिया भी पहले से तय है। राज्यपाल या तो उसे राज्य सरकार को दोबारा विचार के लिए लौटा सकते हैं या फिर उसे राष्ट्रपति के पास भेज सकते हैं। किसी भी स्थिति में उन बिलों को लटकाए रखने का भला क्या औचित्य हो सकता है। और यह अकेले पंजाब का मामला नहीं है। इसी साल अप्रैल में तेलंगाना की सरकार भी राज्यपाल के खिलाफ ऐसी ही शिकायत लेकर सुप्रीम कोर्ट आई थी। केरल और तमिलनाडु दो और राज्य हैं, जो इसी कतार में खड़े नजर आते हैं। केरल की ओर से सीनियर एडवोकेट केके वेणुगोपाल ने सीजेआई की बेंच के सामने अर्जेंट लिस्टिंग की अर्जी डाल रखी है जबकि तमिलनाडु के मामले पर इसी महीने की 10 तारीख को सुनवाई होनी है।

गौर करने की बात यह है कि इन सभी राज्यों में गैर बीजेपी दलों की सरकार है। स्वाभाविक ही पहला संदेह यही होता है कि कहीं राज्यपालों की इस भूमिका के पीछे राजनीतिक समीकरणों की तो कोई भूमिका नहीं है। यह भूमिका हो या न हो, ऐसा विवाद पैदा होना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस तरह के मामलों में तो सभी पक्षों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए ताकि गलती से भी यह संकेत न जाए कि देश में संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज में राजनीति आड़े आ रही है। साफ है कि इस कसौटी पर शासन तंत्र अपेक्षित जिम्मेदारी नहीं दिखा पा रहा। हालांकि इसके लिए किसी भी एक पक्ष पर पूरा दोष नहीं डाला जा सकता। अगर पंजाब की ही बात करें तो बिलों को मंजूरी मिलने में हुई देरी का सवाल अपनी जगह जायज हो सकता है, लेकिन विधानसभा की बैठकों के बीच तीन महीने के अंतराल का भला क्या औचित्य हो सकता है। विधानसभा का बजट सत्र मॉनसून सत्र से जा मिला। राज्य सरकार कानूनी व्याख्याओं का सहारा भले लेती रहे, यह बात स्थापित परंपराओं के खिलाफ है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने बिल्कुल ठीक कहा कि आत्मचिंतन की जरूरत सभी पक्षों को है।

संविधान में सबके अधिकारों और कर्तव्यों की सीमाएं स्पष्ट रूप से बताई गई हैं। जरूरत सिर्फ इन्हें सही रूप में समझने और उनका पालन करने की है। उम्मीद की जानी चाहिए कि पंजाब के मामले में दी गई सुप्रीम कोर्ट की नसीहत को अन्य राज्यों में भी सबक की तरह लिया जाएगा।

स्पर्श

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। जब वृंदा ने देखा कि मेरे पति का सिर तो कटा पड़ा है तो फिर ये जो मेरे सामने खड़े है ये कौन है? उन्होंने पूछा आप कौन हैं जिसका स्पर्श मैंने किया ,तब भगवान अपने रूप में आ गए पर वे कुछ ना बोल सके,वृंदा सारी बात समझ गई। वृंदा क्रोधित होकर भगवान को श्राप दे दिया की "आप पत्थर के हो जाओ",भगवान तुंरत पत्थर के हो गए। सभी देवता हाहाकार करने लगे। लक्ष्मी जी रोने लगीं और प्राथना करने लगीं तब जा कर वृंदा जी ने भगवान को वापस वैसा ही कर दिया और अपने पति का सिर लेकर वे सती हो गई। उनकी राख से एक पौधा निकला तब भगवान विष्णु जी ने कहा– आज से इनका नाम तुलसी है,और मेरा एक रूप इस पत्थर के रूप में रहेगा जिसे शालिग्राम के नाम से तुलसी जी के साथ ही पूजा जाएगा और मैं बिना तुलसी जी के प्रसाद स्वीकार नहीं करुंगा।

संपादकीय

बड़ी भूमिका

उदारीकरण के बाद बिजनेस ग्रोथ के कई रास्ते बने, जिनमें सियासी सरपरस्ती का भी बड़ा रोल रहा। प्राकृतिक संसाधन और लाइसेंस हासिल करने में इसकी बड़ी भूमिका दिखती है। मारवाड़ी इस मामले में उतनी तेजी नहीं दिखा पाए, जितनी दूसरे कारोबारी घरानों ने दिखाई। मैनेजमेंट गुरुओं का मानना है कि अधिकतर कारोबारी घरानों की चमक तीसरी पीढ़ी आते–आते घटने लगती है। उनका मानना है कि पहली पीढ़ी बिजनेस शुरू करती है, दूसरी आगे बढ़ाती है और तीसरी उसे खर्च करने लगती है। उदारीकरण के बाद चुनौतियों के बावजूद मारवाड़ी घरानों ने अच्छी दौलत हासिल की, लेकिन उनमें से कई आरामतलबी में डूब गए। पारिवारिक विवादों के चलते भी कुछ मारवाड़ी घरानों को नुकसान हुआ। हालांकि नई पीढ़ी उम्मीद जगा रही है। उसमें सफलता की भूख है। बेहतर पढ़ाई–लिखाई और टेक्नॉलजी से दोस्ती के साथ मैनेजमेंट के नए तरीकों पर उसका जोर बढ़ा है। भारत की स्टार्टअप्स में मारवाड़ियों की अच्छी मौजूदगी है। फ्लिपकार्ट शुरू करने वाले सचिन और बिन्नी बंसल मारवाड़ी ही हैं। ओयो के रितेश अग्रवाल, फिजिक्सवाला के प्रतीक माहेश्वरी और शादीडॉटकॉम के अनुपम मित्तल से लेकर मिंट्रा के मुकेश बंसल और ड्रीम 11 के हर्ष जैन जैसे लोग भी सामने हैं। इनकी कामयाबी बता रही है कि नई पीढ़ी स्मार्ट है और उसमें वह काबिलियत भी है, जो पिछली पीढ़ी के मारवाड़ियों में थी।

ऐसे सवाल इसलिए भी उठते हैं क्योंकि भारत में उद्यमियों का जो नया वर्ग सामने आया, उसमें मुख्य रूप से गुजराती, पारसी और दक्षिण भारत के कारोबारी समूह हैं।

व्यापार का बड़ा केंद्र

हर्ष गोयनका।।

मारवाड़ियों ने देश–विदेश में कामयाबी के झंडे गाड़े हैं। देश की आजादी के पहले अगर जूट मिलों से लेकर चीनी मिलों तक में मारवाड़ियों का दबदबा था, तो आजादी के बाद मेटल्स, सीमेंट और केमिकल्स जैसे सेक्टरों में भी इन्होंने बड़ी कंपनियां खड़ी कीं। लेकिन कई लोगों को लगता है कि बदलते जमाने के साथ कारोबार की दुनिया में मारवाड़ी पीछे छूट गए हैं। अब इनकी नई पीढ़ी में वह बात नहीं दिखती, जिसके दम पर पिछली पीढ़ियों ने कारोबार जमाया था। क्या वाकई ऐसा है?

20वीं सदी की शुरुआत में पूर्वी राजस्थान से मारवाड़ी बड़ी संख्या में देश के दूसरे हिस्सों की ओर निकले। ये मुख्य रूप से कलकत्ता पहुंचे, जो उन दिनों व्यापार का बड़ा केंद्र था। मारवाड़ियों ने कलकत्ता में फाइनैंस बिजनेस में कामयाबी हासिल की। वहां उन्होंने जूट मिलें खोलीं और मैन्युफैक्चरिंग की ओर बढ़े।

आजादी के पहले मारवाड़ियों का जो दबदबा था, वह आजादी के बाद भी बना रहा। 1964 में देश के टॉप 50 कारोबारी घरानों में 13 मारवाड़ी परिवार थे। यानी 26 प्रतिशत हिस्सेदारी उनकी थी। 1990 में इस लिस्ट में 14 मारवाड़ी परिवार हो गए। साल 2000 में भी तस्वीर लगभग ऐसी ही थी। अगर देश के 100 अरबपतियों की

फोर्ब्स लिस्ट देखें तो इसमें भी मारवाड़ियों ने अपनी जगह बनाई है। 2013 में इसमें 29 मारवाड़ी थे। 2022 में यह संख्या घटकर 26 पर आ गई, लेकिन टॉप 10 अरबपतियों की लिस्ट देखी जाए तो इन 9 वर्षों में अरबपति मारवाड़ियों की संख्या 2 से बढ़कर 4 हो गई।

हालांकि इस तस्वीर का एक पहलू यह है कि अधिकतर मारवाड़ी कमोडिटी, मैन्युफैक्चरिंग और इससे जुड़े सेक्टरों में ही सिमटे रहे क्योंकि उन्हें इन्हीं चीजों की अच्छी समझ थी। उनकी जो एजुकेशन थी, वह भी इसी समझ को संवारने–निखारने तक की थी। अधिकतर मारवाड़ी नौजवान कॉमर्स या चार्टर्ड एकाउंटेंसी की पढ़ाई कर रहे थे। जब तक भारत में उदारीकरण शुरू नहीं हुआ था, तब तक तो मारवाड़ियों की पकड़ मजबूत बनी रही। लेकिन उदारीकरण के बाद उनके लिए चुनौती पैदा हो गई क्योंकि वे खुली अर्थव्यवस्था और टेक्नॉलजी के चलते पैदा होने वाले नए अवसरों के लिए तैयार नहीं थे। मारवाड़ी नए सेक्टरों में हाथ–पैर नहीं फैला सके। नए जमाने की मार्केटिंग और टेक इनोवेशन में तेजी से नहीं बढ़ सके। इससे सवाल उठने लगा कि क्या मारवाड़ियों में बिजनेस का जुनून ठंडा पड़ने लगा है? ऐसे सवाल इसलिए भी उठते हैं क्योंकि भारत में उद्यमियों का जो नया वर्ग सामने आया, उसमें मुख्य रूप से गुजराती, पारसी और दक्षिण भारत के कारोबारी समूह हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर, रियल एस्टेट और फार्मा से लेकर इंफॉर्मेशन टेक्नॉलजी और टेलीकॉम जैसे सेक्टरों में मारवाड़ी उद्योगपति चिराग लेकर ढूंढने पड़ेंगे। अगर ऑटो सेक्टर में बजाज फैमिली के जरिए मारवाड़ी मौजूदगी दिखती है, तो FMCG जैसे तेजी से बढ़ने वाले सेक्टर में इमामी ग्रुप और वरुण बेवरेजेज ही बड़े नाम हैं। फार्मा में मारवाड़ियों की एकमात्र बड़ी कंपनी ल्यूपिन है। इसी तरह रियल एस्टेट में बड़े मारवाड़ी नामों में कुल मिलाकर लोढा घराना दिखता है।

केमिकल्स सेक्टर में हालांकि मारवाड़ियों की अच्छी मौजूदगी है। इसी तरह मैन्युफैक्चरिंग और फाइनैंशल सर्विसेज जैसे परंपरागत सेक्टरों में भी मारवाड़ी उद्योगपति नजर आते हैं। मेटल्स में जिंदल और बिड़ला परिवारों के साथ वेदांता के अनिल अग्रवाल का लगभग पूरा दबदबा है।

अष्टयोग-5048

	3			1		5
7	30		25	2	34	
4		1		6		2
	28	5	35		39	
	2	4		7		
5	30	3	42		34	7
			6		2	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5047 का हल

1	2	7	6	4	5	3
7	34	2	31	2	28	4
4	5	6	3	1	7	2
6	30	3	29	5	39	6
2	3	1	4	6	7	5
5	28	5	36	3	38	7
3	5	4	6	7	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

मारवाड़ी बड़े कदम क्यों नहीं उठा सके

मोहन। कई मारवाड़ी देश से बाहर भी गए। इनमें एलएन मित्तल और एसपी लोहिया जैसे लोग बहुत कामयाब भी हुए। लेकिन इन दोनों परिवारों ने भी स्टील और केमिकल्स जैसी परंपरागत इंडस्ट्रीज में ही सफलता पाई। फाइनैंस और कमोडिटी के अपने परंपरागत दायरे के बाहर मारवाड़ी बड़े कदम क्यों नहीं उठा सके, यह सवाल उठता है। एक कारण मारवाड़ी घरानों का सिस्टम भी हो सकता है। इनमें संयुक्त परिवार वाली व्यवस्था मजबूत रही है। परिवार का मुखिया ध्यान रखता है कि सभी सदस्यों में काम और संपत्ति का समान रूप से बंटवारा हो। लेकिन इस ढांचे में ज्यादा महत्वाकांक्षी लोगों के लिए दिक्कत भी होती है। खासकर तब, जब यह ध्यान नहीं रखा जाता कि किसकी कितनी क्षमता है या किसका कितना योगदान है। गुजराती, पारसी या दक्षिण भारत के जो कारोबारी परिवार उभरे हैं, उनमें और मारवाड़ी परिवारों में एक और बड़ा फर्क दिखता है। मारवाड़ी परिवारों के मुकाबले इन कारोबारियों के बिजनेस में प्रफेशनल लोगों की बड़ी भूमिका रही है और ये उनसे बेहतर तालमेल भी बना पाए हैं। एक और वजह यह है कि मारवाड़ी बिजनेसमैन जिस दौर में बढ़े थे, उसके मुकाबले जमाना तेजी से बदल गया।

श्रद्धा कपूर की नई फोटो देखकर वर्ल्डकप के गम से उबरे फैंस

क्रिकेट विश्व कप के फाइनल मैच के बाद पूरे देश में क्रिकेट के फैंस मायूस हो गए हैं। हर किसी की आस बस टीम इंडिया से लगी हुई थी कि कैसे भी इस साल वर्ल्ड कप देश में आ जाए लेकिन ऐसा नहीं हो सका। कई कोशिशों के बावजूद भी टीम मैच नहीं जीत पाई और खाली हाथ ही वापस आना पड़ा। इस हार के बाद हर भारतीय के मन में बस टीस है और हर कोई बस यही कह रहा है कि फिर से दिल टूट गया। लेकिन इस बीच श्रद्धा कपूर की पोस्ट ने फैंस को खुश कर दिया है और वो खुशी से भरकर बड़े ही प्यारे कमेंट्स कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर श्रद्धा कपूर की वजह से एक पॉजिटिव वाइब आई है। श्रद्धा के इंस्टा पर 84.5 मिलियन फॉलोअर्स हैं और वो भारत की सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली एक्ट्रेस हैं। अपनी नैचुरल ब्यूटी के लिए मशहूर श्रद्धा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक ताजा सेल्फी शेयर की है। खुले बालों और प्यारी मुस्कान के साथ उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया, एक तस्वीर ही काफी है। सेल्फी पर फैंस और नेटिजन्स ने श्रद्धा ने भर-भरके प्यार दिया। श्रद्धा कपूर की अपार लोकप्रियता को देखते हुए, उनकी फोटोज पोस्ट होते ही वायरल हो जाती हैं। सोशल मीडिया पर बातचीत में एक दिलचस्प मोड़ यह आया कि कैसे नेटिजन्स ने श्रद्धा की सेल्फी को विश्व कप फाइनल से जोड़ा।

सिकंदर खेर के 42 साल में भी शादी न करने के पीछे है ये बड़ी वजह

आर्या 3 के एक्टर सिकंदर खेर 42 साल की उम्र में भी कुंवारे हैं। उन्होंने शादी नहीं की है। वह अनुपम खेर और किरण खेर के बेटे हैं। ऐसे में उनके माता-पिता को बेटे की शादी की चिंता सताए रहती है। कई बार लोग पूछ भी चुके हैं कि सिकंदर शादी कब करेंगे लेकिन एक्टर का कहना है कि ये एक बड़ी जिम्मेदारी है। वहीं, अनुपम खेर को एक डर भी सता रहा है, वो क्या, आइए बताते हैं। दरअसल, अनुपम खेर ने बेटे सिकंदर खेर के जन्मदिन पर एक पोस्ट किया था। उसमें उन्होंने कहा था कि एक्टर जल्द से जल्द शादी कर लें। क्योंकि ये बात सिर्फ वह ही नहीं, बल्कि किरण खेर भी चाहती हैं। किरण खेर के पहले पति से हुए सिकंदर ने श्आज तकश से खास बातचीत में शादी न करने और इसमें देरी करने के पीछे की वजह बताई है। हालांकि वह अक्सर इस तरह के सवालों को तवज्जो नहीं देते। मगर, उनके साथ के सभी एक्टर्स ने शादी कर अपनी फैमिली बना ली है।

आठ साल की हुई अल्लू अर्जुन की बेटी अरहा

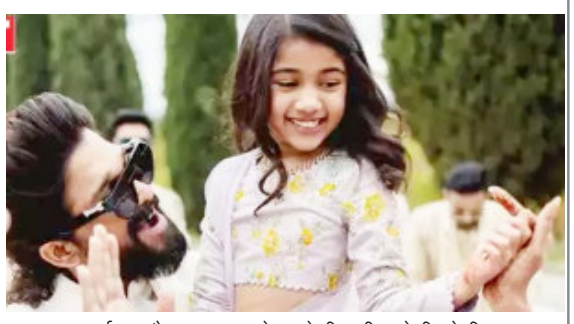

अल्लू अर्जुन और अल्लू स्नेहा रेड्डी की छोटी बेटी अल्लू अरहा 21 नवंबर को 8 साल की हो गईं। इस मौके पर श्पुष्पाश एक्टर ने अरहा और उनकी कुछ प्यारी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। उन्होंने अपनी बेटी के साथ कुछ अनदेखी तस्वीरें शेयर कीं जो इटली में वरुण तेज और लावण्या त्रिपाठी की शादी के समय की हैं। अरहा को देखकर सब यही कह रहे हैं कि वो कितनी जल्दी बड़ी हो गई हैं। अल्लू अर्जुन ने अपनी बेटी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए ट्विटर पर फोटोज शेयर कीं। उन्होंने पोस्ट किए और उन्हें कैप्शन दिया, माई बंडल ऑफ जॉय, माई जॉय, और हैप्पी बर्थडे टू माई जॉय। एक ट्वीट किए गए पोस्ट में अल्लू अर्जुन ने अपनी बेटी अल्लू अरहा और खुद की कुछ अजीब पोज देते हुए एक ळप्ष् शेयर की। फोटोज में वह अरहा को ले जाते हुए और ट्रेडिशनल कपड़े पहने हुए उसके साथ डांस करते हुए दिखाई दे रहे हैं। फोटो में अल्लू अर्जुन को एक सफेद सूट और काले शेड्स में देखा जा सकता है। नन्हीं अरहा पेस्टल लैवेंडर ड्रेस में नजर आ रही हैं, जिस पर फूलों का पैटर्न बना हुआ है। उन्होंने अपनी ड्रेस को चमचमाते जूतों के साथ पेयर किया है। पिता-बेटी की जोड़ी वरुण तेज की बारात में थिरकते नजर आ रहे हैं। अल्लू ने एक ब्लैक एंड व्हाइट मोनोक्रोम तस्वीर भी शेयर की, जहां वो अरहा के साथ दिल खोलकर हंस रहे हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कियारा के लिए बांधे तारीफों के पुल

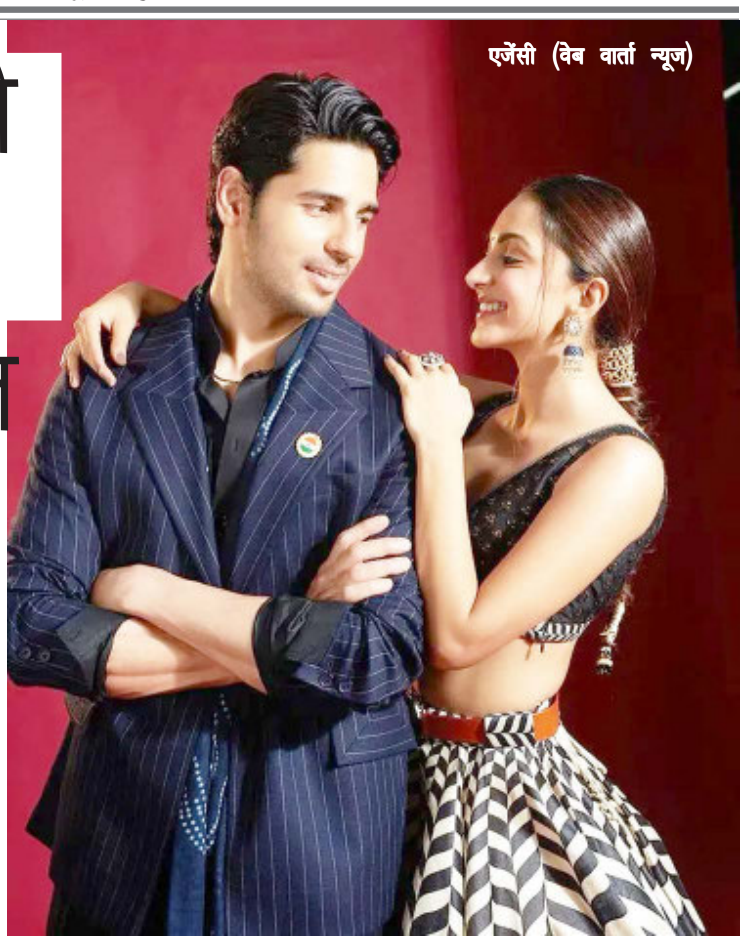

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

करण जौहर के शो कॉफी विद करण 8 के अपकमिंग एपिसोड में नजर आएंगे श्स्टूडेंट ऑफ द इयरश की हैंडसम जोड़ी सिद्धार्थ मल्होत्रा और वरुण धवन। इस शो में सिद्धार्थ वाइफ कियारा आडवाणी के बारे में बातें करने वाले हैं और बताने वाले हैं कि शादी के बाद उनकी लाइफ में क्या कुछ बदला है। इस शो में सिद्धार्थ ने कहा कि उनके और कियारा के बीच इतना प्यार है कि अब वो खुद को ज्यादा जिम्मेदार महसूस करने लगे हैं। सिद्धार्थ ने ये भी बताया कि उन्हें कियारा को लेकर सबसे अधिक रिफ्रेशिंग कौन सी बात लगती है। उन्होंने कहा कि कियारा उन्हें अपनी ही तरह फैमिली ओरिएंटेड लगती हैं।

मैं करीब 16 साल पहले मुंबई आया था

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कहा, श्मैं करीब 16 साल पहले मुंबई आया था और शुरुआत में मैं दोस्तों के साथ रहता था। मैंने कमरे और अपार्टमेंट शेयर किए और अब मेरे पास एक ऐसा है जिसे मैंने डेट किया है और जाहिर है कि हमारे बीच बहुत प्यार है। मैं अब खुद को अधिक जिम्मेदार महसूस करता हूं। मुझे ऐसा फील होता है कि मेरे पास एक और व्यक्ति है जिसका मुझे ख्याल रखना है।

भले ही वह मुंबई में पली-बढ़ी, लेकिन वह बहुत अलग

कियारा के बारे में सिद्धार्थ ने कहा, वह मुझे इसके लिए प्रेरित किया करती हैं कि मैं और मेहनत करूं। जो चीजें हमें बांध कर रखती है वो ये है कि हम दोनों फैमिली ओरिएंटेड हैं। हम दोनों की परवरिश वैसे ही है। भले ही वह मुंबई में पली-बढ़ी, लेकिन वह बहुत अलग-थलग है। इंडस्ट्री में या कैमरे के पीछे जो कुछ भी हो रहा है, उससे वह इतनी प्रभावित नहीं होती हैं। मुझे वो काफी पसंद हैं। मुझे उनमें सबसे रिफ्रेशिंग ये लगता है कि वो किसी भी प्रफेशन में हो सकती थीं। वो अपने स्टारडम को ऐसे संभालती हैं, जैसा कि मुझे पसंद है। आज भी हमें एक-दूसरे के साथ समय बिताना और परिवारों से मिलना-जुलना पसंद है। मुंबई में मेरी कभी कोई फैमिली नहीं थी, लेकिन अब मैं उन्हें शुक्रिया कहता हूं।

इसी साल फरवरी में दोनों ने रचाई शादी

याद दिलाते चलें कि कियारा और सिद्धार्थ ने इसी साल 7 फरवरी 2023 को शादी रचाई। दोनों ने जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में धूमधाम से शादी की थी। उनकी शादी में फैमिली और रिश्तेदारों के अलावा फिल्म इंडस्ट्री से कुछ गिने-चुने मेहमान भी पहुंचे थे जिनमें करण जौहर, शाहिद कपूर और जूही चावला समेत कुछ ही सितारे शामिल थे।

फिल्म शेरशाह की शूटिंग के दौरान दोनों के बीच शुरू हुआ प्यार

यहां ये भी बता दें कि फिल्म शेरशाह (2021) की शूटिंग के दौरान कियारा और सिद्धार्थ ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। कियारा और सिद्धार्थ ने हाल ही में वर्ल्ड कप फाइनल में एक साथ मैच का लुत्फ उठाते दिखे थे।।

बिग बॉस से एलिमिनेट हुए नावेद सोल ने बताई अपने दिल की बात

लंदन के फेमस टीवी पर्सनालिटी और फार्मसिस्ट नावेद सोल आखिरकार बिग बॉस 17 से बेघर हो चुके हैं। बीते एपिसोड में उन्हें दिमाग के मकानवालों के वोट के आधार पर एविक्ट किया गया। उनके एलिमिनेशन से हर कोई शॉक्ड था। कुछ घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल था। मगर घर से बाहर आने के बाद एक्स कंटेस्टेंट ने घरवालों के बारे में बात की है। उन्होंने अभिषेक कुमार के बारे में भी काफी कुछ कहा है।

पिंकविला से खास बातचीत में नावेद सोल ने कहा कि अभिषेक कुमार एक गुस्सैल व्यक्ति हैं। लेकिन उनका दिल उतना ही साफ और प्यारा है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अगर शो में मैं लंबा रहता तो शायद हमारे यानी मेरे और अभिषेक के बीच कुछ जरूर होता। क्योंकि जिस तरह से वह रो रहा था, वह ईशा के लिए भी पहले कभी ऐसा नहीं रोया। उसने तो मुझे एक तरह से प्रोपोज भी कर दिया था। इसलिए हमारा रिश्ता कभी टूटने वाला नहीं था। उससे दोबारा मिलने में मुझे बहुत खुशी होगी। मैं उससे बहुत प्यार करता हूं।

अभिषेक को प्यार करते हैं नावेद

नावेद ने खानजादी के बारे में कहा, मुझे खानजादी भी बहुत पसंद है और मैं शो के सफर में उसका सपोर्ट करता हूं। क्योंकि हम एक स्पेशल बॉन्ड शेयर करते हैं। मुझे लगता है कि उसका अभिषेक संग रिश्ता काम नहीं कर रहा था। मुझे पता था और मैंने अभिषेक को भी बोला था कि ये लड़कियां तुमको उस तरह से पसंद नहीं करतीं, जिस तरह से मैं तुमको करता हूं। मैं अपना 100 पर्सेंट देता हूं। उसको हमेशा उन लोगों ने रिजेक्ट किया। मैंने बोला भी कि उनको छोड़ दो क्योंकि उसके पास मैं हूं। मुझे लगता है कि अभिषेक ने उन लोगों पर अपनी एनर्जी बर्बाद की है। जबिक उसे मुझ पर खर्च करनी चाहिए थी (हंसते हुए)।

नावेद सोल का एविक्शन

नावेद सोल ने मुनव्वर को स्मार्ट प्लेयर बताया तो अनुराग ढोभाल को बुद्धू बताया। साथ ही एक सना रईस के लिए कहा कि वह भी अपना गेम भूल चुकी हैं। अगर नावेद के एविक्शन की बात करें तो इन्हें दिमाग के मकानवालों ने निकाला है। बिग बॉस ने मकान के पांचो लोगों से पूछा था कि 3 नाम दें जिनको पहले ही चला जाना चाहिए था। तब इन्होंने रिंकू, जिग्ना के अलावा नावेद का नाम लिया था।

यूरिक एसिड की कायदे से वाट लगा देंगी ये पत्तेदार सब्जी

यूरिक एसिड आमतौर पर किडनी के जरिए पेशाब के साथ बाहर निकल जाता है लेकिन जब इसका अधिक उत्पादन होता है या निकल नहीं पाता है, तो यह जोड़ों में जाकर जमा हो सकता है, जिससे जोड़ों में क्रिस्टल यानी छोटी छोटी पथरी का निर्माण हो सकता है। इससे आपको गठिया जैसी दर्दनाक स्थिति हो सकती है।

यूरिक एसिड में क्या खाएं?
रोजाना खाई जाने वाली कुछ सब्जियों में प्यूरीन की मात्रा अधिक होती है लेकिन कई पत्तेदार सब्जियां आमतौर पर हाई यूरिक एसिड लेवल वाले व्यक्तियों के लिए सुरक्षित मानी जाती हैं। न्यूट्रिशनिस्ट प्रियांशी भटनागर के अनुसार, कई सब्जियां यूरिक एसिड लेवल को मैनेज करने और गठिया के लक्षणों को कम करने में मदद मिल सकती है।

पालकः पालक एक पोषक तत्व से भरपूर पत्तेदार साग है जिसे आम तौर पर गठिया वाले व्यक्तियों के लिए सुरक्षित माना जाता है। इसमें अत्यधिक मात्रा में प्यूरीन न होते हुए भी विभिन्न विटामिन और मिनरल्स होते हैं।

केलः केल पोषक तत्वों का एक पावरहाउस है और इसमें प्यूरीन की मात्रा कम होती है। यह जरूरी विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट प्रदान करता है, जिससे यह यूरिक एसिड लेवल को मैनेज करने के इच्छुक लोगों के लिए एक स्वस्थ विकल्प बन जाता है।

स्विस चार्डः स्विस चार्ड एक पत्तेदार हरा रंग है जिसमें प्यूरीन कम होता है और विटामिन ए और के जैसे पोषक तत्व भरपूर होते हैं। यह सलाद या सूप जैसे व्यंजनों के लिए एक स्वादिष्ट विकल्प है।

बोक चॉयः बोक चॉय, जिसे चीनी गोभी भी कहा जाता है, एक कम प्यूरीन वाली सब्जी है जो विटामिन और खनिजों की अच्छी खुराक प्रदान करती है। इसका आनंद स्टर–फ्राई और सूप में लिया जा सकता है।

अरुगुलाः अरुगुला एक चटपटा पत्तेदार हरा रंग है जिसमें प्यूरीन की मात्रा कम होती है। यह सलाद में एक अनोखा स्वाद जोड़ता है और यूरिक एसिड से पीड़ित लोगों के लिए एक बढ़िया विकल्प हो सकता है।

सलाद पत्ताः विभिन्न प्रकार के लेट्यूस, जैसे रोमेन और आइसबर्ग, में आमतौर पर प्यूरीन कम होता है और इन्हें सलाद में शामिल किया जा सकता है। इन्हें सूप और सब्जी के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

कैल्शियम के लिए तरसने लगेंगी हड्डियां, किडनी है जिम्मेदार

किडनी किसी कंप्यूटर के माउस जितनी छोटी मगर पावरफुल ऑर्गन है। किडनी हर 30 मिनट में पूरे शरीर के खून को फिल्टर करके अपशिष्ट पदार्थ, विषाक्त पदार्थ और अतिरिक्त फ्लूइड को हटा देती है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन के मुताबिक हर 7 में से 1 से अधिक अमेरिकी एडल्ट को क्रोनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) होने का अनुमान है। इस वजह से क्रॉनिक किडनी डिजीज के लक्षणों को समझना सभी के लिए जरूरी हो जाता है, जो इस बीमारी की चेतावनी देने का काम करते हैं। जब गुर्दे डैमेज हो जाते हैं और खून को प्रभावी ढंग से फिल्टर नहीं कर पाते तो सीकेडी हो जाती है। इससे शरीर में अतिरिक्त फ्लूइड और अपशिष्ट इकट्ठा होने लगते हैं, जो कार्डियोवैस्कुलर डिजीज और स्ट्रोक जैसी अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। किडनी डिजीज के पीछे डायबिटीज, हाई बीपी, दिल की बीमारी और मोटापा हो सकता है। गुर्दे की बीमारी को अक्सर साइलेंट किलर कहा जाता है, क्योंकि इसकी शुरुआत में प्रमुख लक्षण दिखाई नहीं देते। इस वजह से खास हेल्थ टेस्ट के बिना इसके बारे में पता नहीं लगाया जा सकता है। जरा भी चेतावनी मिलते ही आपको डॉक्टर से सही टेस्ट करवाने चाहिए। किडनी खराब होने से ऐसी दिक्कतें भी हो सकती हैं, जिनके बारे में आपने सोचा भी नहीं हो।

डायबिटीज–कोलेस्ट्रॉल की असल जड़ हैं नाश्ते में खाई जाने वाली ये चीजें

एक अच्छे दिन की शुरुआत के लिए अच्छा नाश्ता बहुत जरूरी है। अगर आप कुछ हेल्दी खाते हैं, तो यह आपको पूरे दिन ऊर्जा से भरपूर रखता है, लेकिन इसके विपरीत, अगर आप अपने दिन की शुरुआत अन्हेल्दी चीजों को खाकर करते हैं, तो इससे आपका पूरा दिन खराब हो सकता है। कमाल की बात यह है कि अधिकतर लोग यही गलती करते हैं। अक्सर देखा जाता है कि लोग सुबह के नाश्ते में पराठे, पूरी सब्जी, ब्रेड जैम और ब्रेड–मक्खन जैसी अन्हेल्दी चीजों का सेवन करते हैं, जो खाने में तो टेस्टी होती हैं लेकिन पोषण के मामले में जीरो होती हैं। ज्यादातर लोगों का मानना है कि दिन की शुरुआत करने के लिए फ्रूट्स जूस अच्छा ऑप्शन है लेकिन ये बात पूरी तरह से सही नहीं है। दरअसल, फलों के जूस में फाइबर नहीं होता है, जिसके कारण सुबह सबसे पहले इसे पीने से आपका ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है।

पेट की चर्बी के दुश्मन हैं ये मीठे पत्ते, बासी मुंह चबाएं

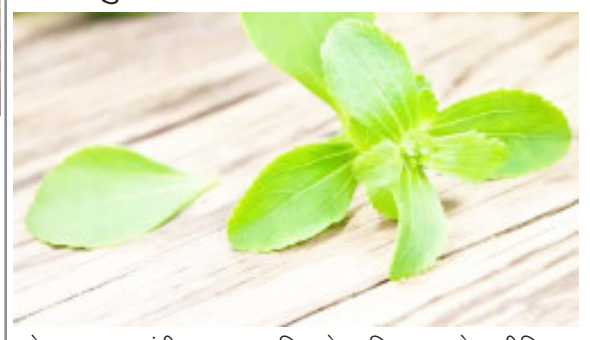

मोटापा एक गंभीर समस्या जिससे अधिकतर लोग पीड़ित हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि बढ़ता मोटापा न सिर्फ आपकी सुंदरता को कम करता है बल्कि कई गंभीर बीमारियों को न्योता भी देता है। अधिक वजन बढ़ने से डायबिटीज, कैंसर, हाई बीपी समेत अनगिनत बीमारियों का रिस्क होता है। वजन बढ़ना जितना आसान है, उसे कम करना उतना ही मुश्किल है। वजन कम करने के घरेलू उपाय क्या हैं? अगर जिम में पसीना बहाकर या तमाम तरह के डाइट प्लान फॉलो करके आपको मनचाहा रिजल्ट नहीं मिल पा रहा है, तो आप मीठी तुलसी के पत्तों या स्टीविया का सहारा ले सकते हैं। स्टीविया दक्षिण अमेरिका का मूल पौधा है जिसका उपयोग सैकड़ों वर्षों से नैचुरल शुगर के ऑप्शन और स्वाद बढ़ाने वाले घटक के रूप में किया जाता रहा है। जीरो कैलोरी वाले इस पौधे के पत्तों के रस का इस्तेमाल खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों में एनर्जी और एक्स्ट्रा शुगर को कम करने के लिए किया जा रहा है। इसमें कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो कई आम और गंभीर बीमारियों के रिस्क को कम करने में सहायक हैं। चूंकि शुगर ब्लड शुगर और इंसुलिन लेवल को काफी हद तक बढ़ा देती है, इसलिए इसे शुगर की जगह स्टीविया जैसे नॉन–ग्लाइसेमिक स्वीटनर लेने से ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है। ऐसा माना जाता है कि स्टेविया का ब्लड शुगर, इंसुलिन लेवल और ब्लड प्रेशर पर न्यूनतम या कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

60 तक भी छू नहीं पाएगी बीमारी, गांठ बांध लें ये बातें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित के पति श्री राम नेने पेशे से एक कार्डियक और वैस्कुलर सर्जन हैं। वह आए दिन सोशल मीडिया पर हेल्दी लाइफस्टाइल से जुड़े वीडियो शेयर करते रहते हैं। यह बताता है कि वह एक स्वास्थ्यप्रेमी और हेल्दी लाइफस्टाइल के प्रति समर्पित व्यक्ति हैं। उनकी दिनचर्या में नियमित व्यायाम, स्वस्थ आहार, और ध्यान का स्थान है। आपने डॉ. नेने की कई वीडियो में देखा होगा कि वह हेल्दी खानपान का पालन करते हैं और अपने परिवार को भी स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने योग और मेडिटेशन को भी अपने दिनचर्या में शामिल किया है, जो मानसिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने में मदद करता है। डॉ. नेने ने हालही में एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने ऐसी 5 चीजों के बारे में बताया है जो हर किसी को रोज फॉलो करनी चाहिए।

बैलेंस्ड डाइट खाएं
आजकल की तेजी से बदलती जीवनशैली में, बैलेंस्ड डाइट खाना हमारे शरीर की जरूरत बन चुकी है। बैलेंस्ड डाइट एक ऐसी डाइट है जो हमें सभी पोषण सामग्रियों, जैसे कि प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स, फैट, विटामिन्स, और मिनरल्स को सही मात्रा में प्रदान करती है। सही मात्रा में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स, और फैट से भरपूर भोजन करने से कैंसर, बीपी और डायबिटीज जैसी बीमारियां नहीं होती।

महिला और पुरुष रोज पिएं इतने लीटर पानी

पानी का सही मात्रा में सेवन करना वजन को नियंत्रित रखने में मदद कर सकता है। यह भोजन को पचाने में और भोजन से ऊर्जा प्राप्त करने में मदद करता है। पानी जॉइंट्स को स्मूद रखने में मदद करता है और मस्तिष्क के सही काम के लिए काफी ज्यादा आवश्यक है। ढेर सारा पानी पीने से शरीर की गंदगी बाहर निकलती है और त्वचा में चमक आती है। महिलाओं को दिन में 2.7 लीटर और पुरुषों को 3.7 लीटर पानी रोज पीना चाहिए।

वर्कआउट करें
नियमित व्यायाम से ह्रदय स्वस्थ रहता है, मोटापा कम होता है, और पूरे दिन एनर्जी का स्तर बना रहता है। व्यायाम से शरीर में लाचीलापन आता है और मानसिक चुनौतियों का सामना करने में मदद भी मिलती है। बच्चों को दिन में 1 घंटा तो वहीं बड़ों को हफ्ते में 150 मिनट वर्कआउट करना जरूरी है।

नींद पूरी करें
नींद पूरी करना हमारे शारीर और मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। सही मात्रा में नींद से हमारा मन, शारीर, और इंद्रियां ठीक से काम करती हैं। नींद की कमी से तनाव, ध्यान में कमी, और कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं। 7–8 घंटे की नींद हमारी ऊर्जा और कार्यक्षमता में सुधार करने में मदद करता है।

मेडिटेशन करें
रोज मेडिटेशन करना हमें शांति और स्थिरता प्रदान करता है। यह स्ट्रेस को कम करने में मदद करता है और मानसिक तनाव को दूर करता है। मेडिटेशन से मानसिक क्लैरिटी बढ़ती है और निर्णय लेने में मदद मिलती है। इससे हार्ट हेल्थ में भी सुधार होता है और बीमारियों का जोखिम कम होता है। रोज मेडिटेशन करना आत्मा को शांति और आत्म–समर्पण की अनुभूति कराता है।

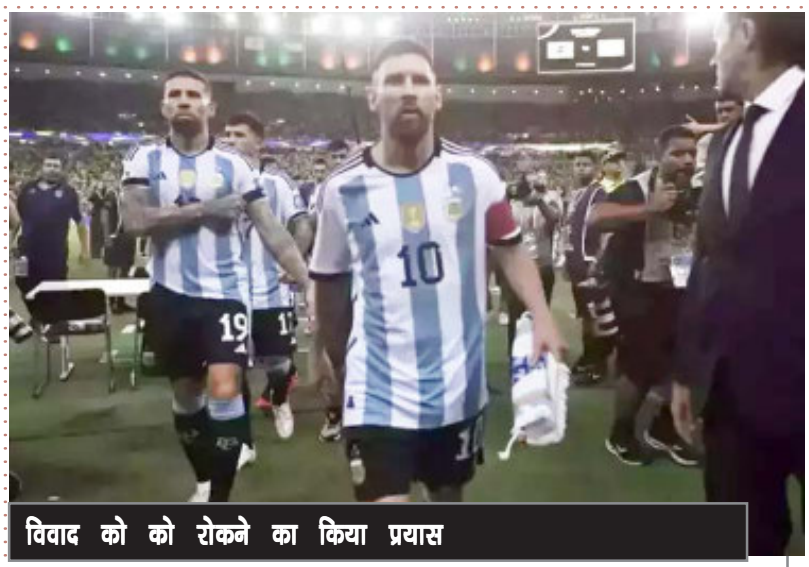

विवाद को को रोकने का किया प्रयास

अर्जेंटीना के कुछ खिलाड़ियों ने विवाद को को रोकने का प्रयास किया, गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने भीड़ तक पहुंचने का प्रयास किया। मैदान पर हमारे लिए यह समझना मुश्किल था कि क्या हो रहा था, यह बहुत डरावनी स्थिति थी। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने एक पुलिस अधिकारी के हाथ से डंडा छीनने की भी कोशिश की। बाद में, खिलाड़ी मैदान से बाहर चले गए और केवल तभी लौटे जब पुलिस ने अर्जेंटीना के प्रशंसकों को स्टैंड के एक अलग हिस्सा दिया।

फैंस के बीच बवाल तो मेसी ने खेलने से कर दिया इनकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। लियोनल मेसी ने चिंता व्यक्त की है कि जिस भीड़ की परेशानी के कारण ब्राजील के खिलाफ अर्जेंटीना के विश्व कप क्वालीफायर मैच में देरी हुई, उसका अंत दुखद हो सकता था। रात माराकाना स्टेडियम में विश्व कप क्वालीफाइंग मैच से पहले ब्राजील और अर्जेंटीना के प्रशंसकों के बीच हिंसा भड़क उठी। इसके कारण मौजूदा विश्व कप चैंपियन को निर्धारित किकऑफ से कुछ क्षण पहले मैदान छोड़ना पड़ा। यह बुरा था क्योंकि हमने देखा कि वे लोगों को कैसे पीट रहे थे। पुलिस, जैसा कि लिबर्टाडोरेस फाइनल में हुआ था, एक बार फिर लोगों को रात की लाठियों से दबा रही थी। हम लॉकर रूम में गए क्योंकि यह सब कुछ शांत करने का सबसे अच्छा तरीका था। बीबीसी के हवाले से मेसी ने कहा, यह दुखद अंत हो सकता था। कथित तौर पर समस्या तब शुरू हुई जब रियो डी जेनेरो के स्टेडियम में राष्ट्रगान के दौरान एक गोल के पीछे प्रतिद्वंद्वी प्रशंसक आपस में भिड़ गए। स्थानीय पुलिस ने बचाव किया, लेकिन हिंसा बढ़ती गई। मेसी और अर्जेंटीना की टीम हाथापाई को रोकने के लिए जल्दी से स्टैंड की ओर बढ़ी।

देरी करने पर गेंदबाजी टीम पर लगेगी पेनल्टी

क्रिकेट

वनडे और टी-20 में आईसीसी ने किया नए नियम का एलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। वनडे और टी–20 फॉर्मेट में समय का खास ख्याल रखने के लिए आईसीसी एक नए नियम को लागू करने जा रहा है। दरअसल, नियम के अनुसार अब गेंदबाजी टीम को एक ओवर खत्म होने के बाद अगला ओवर शुरू करने के लिए 60 सेकेंड का समय दिया जाएगा। इस तय समय के अंदर अगर गेंदबाज अपने ओवर को शुरू नहीं कर पाता है और ऐसा इनिंग के दौरान तीन बार होता है, तो बैटिंग टीम को पेनल्टी के तौर पर 5 रन मुफ्त में मिल जाएंगे।

आईसीसी इस नए नियम को अभी दिसंबर 2023 से लेकर अप्रैल 2024 तक ट्रायल के तौर पर इस्तेमाल करेगा। एक ओवर के खत्म होने के बाद श्स्टॉप क्लॉकश की मदद से 60 सेकेंड के पूरे होने का पता

लगाया जाएगा। पारी के दौरान एक टीम अगर तीन बार 60 सेकेंड के भीतर अगला ओवर शुरू करने में असफल रहती है, तो बैटिंग टीम को इसका फायदा मिलेगा और उनको 5 रन पेनल्टी के तौर पर मुफ्त में दिए जाएंगे। ट्रायल के दौरान अगर यह नियम उम्मीदों पर खरा उतरता है तो इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल इसको पूर्ण रूप से लागू भी कर सकता है।

आईसीसी का यह नया नियम ठीक टाइम आउट से मेल खाता हुआ है। टाइम आउट में अगर बल्लेबाज क्रीज पर पहुंचकर दो मिनट तक बॉल खेलने के लिए तैयार नहीं होता है, तो उसको आउट करार दिया जाता है। वर्ल्ड कप 2023 में एंजेलो मैथ्यूज इसका शिकार भी बने थे और शाकिब अल हसन की अपील पर उनको अंपायर ने आउट करार दिया था।

आईसीसी के नए नियम से बैटिंग टीम को जबरदस्त फायदा होगा। अभी तक तय समय के अंदर ओवर पूरे नहीं कर पाने पर टीम को एक अतिरिक्त फील्डर को 30 यार्ड के दायरे के अंदर रखना होता है। हालांकि, नए नियम के आने से गेंदबाजी टीम को समय का ज्यादा ख्याल रखना होगा। हालांकि, इनिंग के बीच में दो बार 60 सेकेंड के अंदर ओवर शुरू ना कर पाने को बॉलिंग टीम पर एक्शन नहीं लिया जाएगा, लेकिन तीसरी बार यह गलती होने पर बैटिंग टीम को 5 रन मिल जाएंगे।

आपके प्रधानमंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया कि वह खिलाड़ियों के साथ है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। विश्व कप 2023 फाइनल में जब ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम को हराया तो उस समय पीएम नरेंद्र मोदी भी स्टेडियम में थे। वह मैच में हार से निराश टीम इंडिया के पास ड्रेसिंग रूम पहुंचे और खिलाड़ियों से बात की। उन्होंने टीम का उत्साह बढ़ाया और हौसला दिया। पीएम मोदी के इस रूप की पाकिस्तान क्रिकेट टीम के महान तेज गेंदबाज शोएब अख्तर तारीफ की। एक ओर जहां शाहिद अफरीदी सहित तमाम पाकिस्तानी पीएम मोदी की खिलाफत करते हैं और विवादित बयान देते रहते हैं ऐसे में शोएब अख्तर का बयान उनके दिलों में तीर सा लगा होगा।

क्रिकेट विश्व कप 2023 की हार के बाद ड्रेसिंग रूम में भारतीय

शोएब अख्तर ने पीएम मोदी के ड्रेसिंग रूम वीडियो पर दिया बयान

क्रिकेट टीम के सितारों से मिलने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि पीएम ने बताया कि वह खिलाड़ियों के साथ खड़े हैं। भारत रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लड़ते हुए हार गया और ऑस्ट्रेलियाई टीम ने रिकॉर्ड छठा खिताब जीता। मैच के बाद पीएम मोदी ने भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनका मनोबल बढ़ाया।

रविंद्र जडेजा और मोहम्मद शमी जैसे कई खिलाड़ियों ने विश्व कप फाइनल के बाद मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। अख्तर ने बताया कि पीएम मोदी से इस मुश्किल वक्त में मिलना क्रिकेटरों के लिए कितना मायने रखता होगा, क्योंकि यह उन सभी के लिए एक कठिन दौर था। दिल तोड़ने वाली हार के बाद उन्हें उस समर्थन की जरूरत है।

शोएब अख्तर ने एक शो में कहा– आपके प्रधानमंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया कि वह खिलाड़ियों के साथ हैं। यह एक बड़ा इशारा था। यह एक संदेश था कि भारत एक राष्ट्र के रूप में भारतीय क्रिकेट टीम के साथ खड़ा है। यह बहुत ही शानदार बात है। यह वास्तव में उनके लिए एक भावुक समय है। उन्होंने उन्हें (खिलाड़ियों को) अपने बच्चों के रूप में लिया और उन्होंने उनका मनोबल बढ़ाकर उन्हें बताया कि उन्होंने अच्छा खेला। बता दें कि भारतीय टीम से मुलाकात में पीएम मोदी ने कहा था कि आप सभी अच्छा खेले।

भारत पर जूते वाले बयान पर भड़क गए हर्षा भोगल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। हेनरी ब्लोफेल्ड क्रिकेट के मशहूर कॉमेंटेटर रहे हैं। इंग्लैंड में खेल पत्रकारिता का बड़ा नाम कर चुके हैं। क्रिकेट पर 8 किताबें भी लिख चुके हैं। इंग्लिश क्रिकेट बोर्ड से लेकर माइकल वॉन और वसीम जाफर तक उन्होंने फॉलो करते हैं। लेकिन वर्ल्ड कप फाइनल में भारतीय टीम की हार के बाद हेनरी ब्लोफेल्ड ने अजीबोगरीब ट्वीट किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, मैं इससे अधिक रोमांचित नहीं हो सकता कि ऑस्ट्रेलियाई टीम ने विश्व कप जीता। शेरों की मांद में जाने और पहले बाहर आने के बारे में बात करें। उन सभी ने बहुत अच्छा किया। इससे भारत को कोई नुकसान नहीं होगा। वे अपने जूतों के हिसाब से कुछ ज्यादा ही बड़े होते जा रहे हैं! हेनरी ब्लोफेल्ड की इस ट्वीट पर हर्षा भोगले ने प्रतिक्रिया दी है। भारतीय कमेंटटर ने लिखा– जब मैंने पहली बार इंग्लैंड जाना शुरू किया तो मुझे इसी मानसिकता से निपटना पड़ा। बेहतर, कृपालु, हमें नीचे देखते हुए। जो स्वागतयोग्य बदलाव आया है, उसमें अगली पीढ़ी अधिक जागरूक, कम दंभपूर्ण और उनके साथ रहना आसान है। इसने उन्हें प्रासंगिक बने रहने और प्रगति करने की अनुमति दी है।

न्यूज डायरी

आईपीएल 2024 के लिए शुरू हुआ अदला बदली का दौर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के ऑक्शन से टीमें एक दूसरे से खिलाड़ियों के ट्रेड कर रही हैं। हाल ही में लखनऊ सुपर जायंट्स और राजस्थान रॉयल्स की टीम ने एक–दूसरे के प्लेयर्स एक्चेंज किए हैं। लखनऊ टीम ने राजस्थान रॉयल्स से बाएं हाथ के बल्लेबाज देवदत्ते पडिक्कल को ट्रेड कर लिया, जबकि उसके बदले में स्टार तेज गेंदबाज आवेश खान को टीम में शामिल किया है। आवेश अब लखनऊ सुपर जायंट्स की जर्सी पहने नजर नहीं आएंगे। वह अब राजस्थान रॉयल्स की गुलाबी जर्सी पहनकर आईपीएल 2024 में तहलका मचाते हुए दिखाई दे सकते हैं। दरअसल, बीसीसीआई के नियम के अनुसार, 19 नवंबर तक आईपीएल की सभी टीमें अपने प्लेयर्स एक्सचेंज कर सकती हैं। जहां तेज गेंदबाज आवेश खान लखनऊ सुपर जाइंट्स से अब राजस्थान रॉयल्स में आएंगे। इसके बदले में राजस्थान रॉयल्स के टॉप आर्डर के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल लखनऊ सुपर जायंट्स में आएंगे। बता दें कि पेसर आवेश खान को लखनऊ सुपर जाइंट्स ने 2022 के ऑक्शन में 10 करोड़ रुपये में खरीदा था। वहीं राजस्थान रॉयल्स ने देवदत्त पडिक्कल को 7.75 करोड़ रुपये में अपनी टीम के साथ जोड़ा था।

मेरे दिल में आग है... केकेआर में वापसी करते ही दहाड़े गौतम गंभीर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। जब कोलकाता नाइटराइडर्स ने 2012 और 2014 में आईपीएल जीता तो गौतम गंभीर कप्तान थे और बाद में वह फ्रेंचाइजी से अलग हो गए। क्रिकेटर के तौर पर करियर दिल्ली कैपिटल्स से खत्म हुआ तो लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ मेंटॉर के रूप में एक नई भूमिका का आगाज हुआ। अब गौतम गंभीर एक बार फिर अपने पुराने घर यानी कोलकाता नाइटराइडर्स लौट आए हैं। इंडियन प्रीमियर लीग के 2024 सीजन से पहले उन्होंने एक्स पर ऐलान किया। उन्होंने बताया कि जर्सी नंबर 23 की शाहरुख खान की सहमालिकाना हक वाली फ्रेंचाइजी झज्ञत में वापसी हो गई है। गंभीर ने फ्रेंचाइजी में वापसी के बाद कहा– मैं भावुक व्यक्ति नहीं हूं और कई चीजें मुझे प्रभावित नहीं करतीं। लेकिन यह अलग है। यह वहीं पर वापस आ गया है जहां से यह सब शुरू हुआ था। आज मेरे दिल में आग है, क्योंकि मैं एक बार फिर उस बैंगनी और सुनहरे रंग की जर्सी पहनने के बारे में सोच रहा हूं। मैं केकेआर में वापस आ रहा हूं। सिटी ऑफ जॉय मैं वापस आ गया हूं। मुझे भूखा हूं। मैं 23वें नंबर पर हूं। अमी (मैं) केकेआर हूं। टी20 विश्व कप 200 और वनडे विश्व कप 2011 चौंपियन गंभीर 2011 में नाइटराइडर्स में शामिल हुए और 2017 तक टीम के साथ रहे।

विराट कोहली ने सुपर मैनेजर बंटी सजदेह से तोड़ा 10 साल पुराना रिश्ता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इधर विश्व कप 2023 खत्म हुआ उधर खबर आई कि भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने अपने मैनेजर बंटी सजदेह से रिश्ता तोड़ लिया है। 10 वर्ष से अधिक पुराना रिश्ता क्यों टूटा... इसके पीछे क्या वजह थी हर कोई जानने को बेकरार है। बंटी भारतीय क्रिकेट के बीच बड़े नाम हैं। उनकी कंपनी न केवल विराट कोहली, बल्कि रोहित शर्मा, अजिंक्य रहाणे, रविंद्र जडेजा, शुभमन गिल... फेहरिस्त लंबी है, तमाम क्रिकेटरों का मैनेजमेंट देखती रही है। सोहेल खान के पूर्व साले सजदेह का नाम लंबे समय से क्रिकेटर विराट कोहली के साथ जुड़ा हुआ है। बंटी सजदेह वर्षों तक क्रिकेटर के सुपर मैनेजर रहे। इस दौरान विराट कोहली मार्केट किंग बने। इसमें कोई शक नहीं कि मैदान पर सुपरहिट शो से कोहली बड़े ब्रांड बने, लेकिन उन्हें मार्केट में टॉप पर पहुंचाने में बंटी की भी अहम भूमिका रही। समय–समय पर दोनों के ब्रोमांस की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल होती रही हैं। इस बीच जूम की रिपोर्ट के अनुसार, बंटी सजदेह कथित तौर पर अपने आईपी अधिकारों के लिए क्रिकेटर रविंद्र जडेजा, विराट कोहली, केएल राहुल सहित अन्य क्रिकेटरों का दुरुपयोग कर रहे हैं। बंटी सजदेह ने बिना बताए विराट कोहली, जडेजा, केएल राहुल और कुछ अन्य क्रिकेटरों के आईपी राइट्स अवैध रूप से हासिल कर लिए हैं। यह धोखाधड़ी का मामला है, जो बंटी की ओर से हुआ है। जो आईपी अधिकार दिए गए हैं, उनके द्वारा लिया गया यह कदम उन्हें उनकी अनुमति के बिना उनके व्यक्तिगत आईपी ब्रांडों पर अधिकार देता है।

अब अपने आखिरी पड़ाव पर है रेस्क्यू ऑपरेशन

राहत

- सिलक्यारा टनल रेस्क्यू ऑपरेशन के संबंध में प्रेस ब्रीफिंग की गई
- देर रात या आज सुबह तक बाहर आ सकते हैं मजदूर

संवाददाता

देहरादून। देश के कोने–कोने से मशीनों को एयरलिफ्ट किया गया है और उत्तरकाशी में दिन रात ड्रिलिंग का काम जारी है। उम्मीद की जा रही है बुधवार देर रात या फिर गुरूवार की सुबह टनल में फंसे 41 मजदूर बाहर आ सकते हैं। सिलक्यारा टनल रेस्क्यू ऑपरेशन के संबंध में बुधवार को अस्थाई मीडिया सेंटर, सिलक्यारा में प्रेस ब्रीफिंग की गई। इस दौरान एम.डी (एनएचआईडीसीएल) महमूद अहमद ने बताया कि टनल के अंदर 900 एम.एम पाइप को पुश किया गया था। वर्तमान समय में टेलीस्कोपिक मेथड से 900 एम.एम पाइप के अंदर, 800 एम. एम का पाइप को भी पुश कर लिया गया है। ऑगर मशीन से पुनः ड्रिलिंग शुरू करते हुए कुल 39 मीटर तक ड्रिलिंग पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा शेष

स्थान पर ड्रिलिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

एमडी (एनएचआईडीसीएल) महमूद अहमद ने बताया कि बड़कोट वाले छोर से होरिजेंटल ड्रिलिंग का कार्य शुरू हो गया था। जिसमें तीसरा ब्लास्ट कर लिया गया है। इस स्थान से लगभग 8 मीटर कार्य पूरा हो गया है।

सचिव उत्तराखंड शासन डॉ. नीरज खैरवाल ने बताया कि पूर्व में अंदर फंसे श्रमिकों के साथ वीडियो के माध्यम से संवाद हुआ था। अब एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की मदद से ऑडियो कम्युनिकेशन सेटअप तैयार कर लिया गया है। जिसमें वायर, माइक्रोफोन और स्पीकर का इस्तेमाल किया जा रहा है। सचिव उत्तराखंड शासन डॉ. नीरज खैरवाल ने बताया कि ऑडियो कम्युनिकेशन सेटअप तैयार होने के उपरांत अंदर फंसे श्रमिकों की सबसे पहले डॉक्टर से बात करवाई गई। इस क्रम में सभी श्रमिकों की एक–एक करके डॉक्टर से बात करवाई जा रही है। एवं उनका हाल–चाल जाना जा रहा है। उन्होंने कहा अंदर फंसे लोगों को जरूरी दवाइयां भेजी जा रही है। इसके अतिरिक्त मूलभूत सामग्री जैसे टॉवल, ब्रश, छोटे कपड़े भी भेजे जा रहे है।

सचिव उत्तराखंड शासन डॉ. नीरज खैरवाल ने बताया कि श्रमिकों की मेंटल हेल्थ को ध्यान रखते हुए मनोचिकित्सक से भी उनकी बात कराई जा रही है। अंदर फंसे सभी श्रमिक सुरक्षित हैं।

इस दौरान प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार एवं उत्तराखंड सरकार के विशेष कार्याधिकारी भास्कर खुल्बे, जिलाधिकारी अभिषेक रूहेला, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, कमांडेंट एसडीआरएफ मणिकांत मिश्रा, पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी मौजूद रहे।

पहुंची दो और एंबुलेंस

सुरंग में फंसे हुए मजदूरों को निकालने के लिए लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। दो और एम्बुलेंस सिल्कयारा सुरंग स्थल पर पहुंच गई हैं।

व्यापारियों ने हनुमान मंदिर में की पूजा-अर्चना

सिलक्यारा में आलवेदन रोड सुरंग में फंसे 41 मजदूरों की सलामती के लिए व्यापारियों ने समीप के हनुमान मंदिर में श्रमिकों की सलामती के लिए पूजा–अर्चना की। व्यापारियों ने खुशी जताई की सभी एजेंसियां स्कैब सुरंग बनाने में लगभग कामयाबी की ओर बढ़ गए हैं। उम्मीद है कि गुरुवार को सभी श्रमिक सकुशल बाहर निकाल लिए जाएंगे।

कांग्रेस नेता ने सरकार पर साधा निशाना

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन सिंह माहरा ने कहा कि रेस्क्यू अभियान में सरकार की कमी उजागर हुई है। इस घटना को जिस तरह से गंभीरता से लिया जाना चाहिए था। सरकार ने उस गंभीरता से नहीं लिया। करन सिंह माहरा ने कहा कि सरकार अगर गंभीर होती तो उत्तरकाशी जिले के प्रभारी मंत्री घटना के दिन ही यहां पहुंच जाते।

अधिकारियों को अपने विभाग का वार्षिक कैलेंडर बनाने के निर्देश

बैठक

- डीएम की अध्यक्षता में हुई 30 सूत्रीय कार्यक्रम की बैठक

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार में 30 सूत्रीय कार्यक्रम की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए की सभी अधिकारी अपने विभाग का वार्षिक कैलेंडर बनायेगें तथा पीएम गतिशील पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही निर्देशित किया कि विभाग अपनी भूमि पर अतिक्रमण चिन्हित करते हटाने की कार्यवाही करते हुए आनलाईन अपलोड भी करें।

उन्होंने समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए 30 सूत्रीय कार्यक्रम से सम्बन्धित अपने विभाग से सम्बन्धित बिन्दुओं पर कार्यवाही करते हुए कृत कार्यवाही की सूचना मुख्य विकास अधिकारी को प्रेषित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने वन विभाग को इकोटूरिज्म, मल्टीलेवल पार्किंग की अद्यतन प्रगति की रिपोर्ट अद्यतन करने तथा एमडीडीए को के निर्देश दिए नई पार्किंग की स्थति की रिर्पोट प्रस्तुत करते हुए अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त विभागो के अधिकारियों को अभिलेखों के डिजिटिलाईजेनशन करने तथा अभिलेखों की विडिंग करवाते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्हांने नगर निगम निराश्रित पशुओं के आश्रय की सूचना अद्यतन करने तथा समस्त विभगीय अधिकारियों को कर्मचारियों की एसीआर लिखने की अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान, प्रभागीय वनाधिकारी वैभव सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामजीशरण शर्मा, पुलिस अधीक्षक यातायात सर्वेश पंवार, नगर मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी शशिकान्त गिरी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ विद्याधर कापड़ी, जिला पंचायतीराज अधिकारी विद्याधर सोमनाल, महाप्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र अंजली रावत, जिला पर्यटन विकास अधिकारी नौटियाल, एमडीडीए,नगर निगम, लोनिवि, सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

फिल्म निमार्ताओं ने राज्य में फिल्म शूटिंग एवं निवेश के प्रति रुचि दिखाई

संवाददाता देहरादून। गोवा में आयोजित 54वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के अंतर्गत फिल्म बाजार–2023 में उत्तराखंड पवेलियन में डेस्टिनेशन उत्तराखंड के तहत विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय फिल्म निमार्ताओं द्वारा राज्य में फिल्म शूटिंग एवं निवेश के प्रति रुचि दिखाई है। उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद के नोडल अधिकारी डॉ. नितिन उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री धामी के निर्देशानुसार राज्य में फिल्म शूटिंग एवं फिल्म उद्योग में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है। इसी कड़ी में राज्य में आगामी दिसम्बर 2023 में ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट–2023 का आयोजन किया जा रहा है। उत्तराखंड सरकार द्वारा निवेश के दृष्टिकोण से नई फिल्म नीति भी प्रस्तावित की गई है। गोवा में आयोजित फिल्म बाजार 2023 में उत्तराखंड पवेलियन द्वारा फिल्म शूटिंग एवं निवेश सम्बंधी जानकारी दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

वरुण हरिद्वार के एमएनए व वीर सिंह दून के एएमएनए

संवाददाता देहरादून। सरकार ने सात आईएएस, 16 पीसीएस के साथ ही सचिवालय व आईआरटीएस सेवा के एक–एक अफसरों के दायित्वों में फेरबदल किया है। आईएएस व पिथौरागढ़ के मुख्य विकास अधिकारी वरुण चौधरी को हरिद्वार का मुख्य नगर आयुक्त व पीसीएस व रुद्रप्रयाग के अपर जिलाधिकारी वीर सिंह बुदियाल दून नगर निगम का अपर नगर आयुक्त बनाया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की मंजूरी के बाद कार्मिक विभाग ने बुधवार को यह आदेश किए हैं। दून के नगर आयुक्त मनुज गोयल को अपर सचिव ग्राम्य विकास, मुख्य विकास अधिकारी नैनीताल संदीप तिवारी को केएमवीएन के प्रबंध निदेशक की जिम्मेदारी दी है। वे अभी अस्थायी तौर पर यह कार्य देख रहे थे।

शोरूम में डकैती से पहले बनाया था बचने का प्लान

संवाददाता देहरादून। रिलायंस ज्वैलरी शोरूम में करोड़ों रुपयों की डकैती के कई दिन गुजर जाने के बाद भी पुलिस आरोपियों को अभी तक पकड़ नहीं पाई है। हालांकि, देहरादून पुलिस की जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। डकैती के मुख्य आरोपी प्रिंस ने अपने ममेरे भाई सड्डू को सगे भाई की जमानत का इंतजाम कराने देहरादून भेजा था। उसे वकीलों से संपर्क करना था, लेकिन देहरादून पुलिस के अभियान के कारण वह देहरादून नहीं आ पाया। उसने सेलाकुई में डकैतों के मकान मालिक के बारे में जानकारी जुटाई। पुलिस उसके सहारे और भी कई जानकारियां जुटा रही है। सोमवार को सड्डू को गिरफ्तार किया गया था।

दुर्घटना के चार महीने बाद मुकदमा

संवाददाता ऋषिकेश। जुलाई में डाक कांवड़ के साथ पहुंचा एक युवक नेपाली फार्म में घायल हुआ। एम्स के बाद चंडीगढ़ में उसका इलाज चला। पिता ने घटना के चार महीने बाद अब अज्ञात कार चालक के खिलाफ शिकायत देकर मुकदमा दर्ज कराया है। थानाध्यक्ष देवेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि कार के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर चालक की पहचान के प्रयास तेज कर दिए हैं।

विद्यामंदिर इंटेलेक्ट क्वेस्ट 26 नवंबर को किया जाएगा आयोजित

संवाददाता देहरादून। जेईई मेन, जेईई एडवांस, नीट, ओलंपियाड और बोर्ड समेत तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मशहूर विद्या मंदिर क्लासेस (वीएमसी) ने अपने बहुप्रतीक्षित इवेंट ऑफ द ईयर विद्या मंदिर इंटलेक्ट क्वेस्ट (वीआईक्यू) लॉन्च कर दिया है। क्लास 5 से क्लास 11 के बच्चों को ध्यान में रखकर कराए जाने वाले इस प्रोग्राम का नेशनल टेस्ट 26 नवंबर 2023 को कराया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।